RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 155 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 29-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 धर्मांतरण गिरोहों को नेस्तनाबूद करने के लिए एआई का इस्तेमाल करे पुलिस : योगी

6 सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों की मुसीबतें

7 'द राजा साब' में मालविका मोहनन की एंट्री, भैरवी बनकर बिखेरी रहस्यमयी शान

फर्स्ट टेक

सरकार मूल स्थानीय लोगों के पुनर्वास पर विचार कर रही : डी के शिवकुमार

बेंगलूरु/भाषा। उत्तरी बेंगलूरु के कोगिलू में ''अवैध मकानों'' को ध्वस्त करने से राजनीतिक विवाद छिड़ने के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार बेदखल किए गए मूल स्थानीय लोगों के पुनर्वास पर विचार कर रही है। शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या सोमवार को इस मुद्दे पर एक बैठक बुलाएंगे। बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री शिवकुमार ने कहा, ''हमारे अधिकारियों ने (ध्वस्तीकरण से पहले) उचित नोटिस दिया था। अगर वे लोग वास्तविक और स्थानीय निवासी हैं तो हम उनका पुनर्वास करने के लिए तैयार हैं। हम राजीव गांधी आवास योजना के तहत हर संभव मदद करेंगे।''

गौरक्षकों ने वसुंधरा राजे का काफिला रोका

कोटा (राजस्थान)/भाषा। मृत गायों और बछड़ों के अनुचित निपटान के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को कोटा-उदयपुर राजमार्ग पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का काफिला रोक दिया। एक अधिकारी के अनुसार झालावाड़ से जयपुर जा रहे राजे के काफिले को 'हैंगिंग ब्रिज' पर लगभग 20 मिनट के लिए रोका गया, जिससे राजमार्ग पर जाम लग गया। पुलिस उपाधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को इस मुद्दे को हल करने का निर्देश दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ता और गौरक्षकों ने रविवार को शहर में मृत गायों के सम्मानजनक निपटान की मांग करते हुए मार्च निकाला। उनका आरोप था कि कोटा नगर निगम (केएमसी) के ठेकेदार मृत गायों को बांधधर्मपुरा के खुले इलाके में फेंक रहे थे।

म्यांमार में सैन्य शासन के बाद पहले चुनाव के लिए मतदान शुरू

यांगून/एपी। म्यांमार में सैन्य सरकार की देखरेख में पहली बार हो रहे आम चुनाव के पहले चरण के लिए रविवार को मतदान जारी है। जनवरी के अंत में मतदान के दो और दौर पूरे होने के बाद ही अंतिम परिणाम पता चलेंगे। व्यापक रूप से यह संभावना जताई जा रही है कि 2021 में सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद से देश का शासन संभाल रहे जनरल मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे। सैन्य सरकार ने इस चुनाव को चुनावी लोकतंत्र की वापसी के रूप में प्रस्तुत किया है लेकिन आलोचकों का आरोप है कि यह चुनाव सैन्य शासन को वैध दिखाने के लिए किया जा रहा है। म्यांमार में फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सत्ता से हटाए जाने के बाद सैन्य शासन शुरू हुआ था।

29-12-2025 सूर्यास्त 5:51 बजे	30-12-2025 सूर्योदय 6:30 बजे
BSE 85,041.45 (-367.25)	NSE 26,042.30 (-99.80)
सोना 14,664 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 284,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वारिस की खारिश

है संविधान में सब समान,
फिर कौन कहो किस से भारी।
वोटों के वारिस बनने को,
कर रहे सभी मारा-मारी।
नफरत में डूबे बोलो को,
अब समझ चुकी जनता सारी।
खुद को वारिस कहने वाले,
समझो अपनी ज़िम्मेदारी।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' संबोधन में कहा

'युवा शक्ति' के कारण भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है दुनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आज देश के भीतर युवाओं को प्रतिभा दिखाने के नए- नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से मंच विकसित हो रहे हैं, जहां युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के विस्तार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने दुनिया भर के देशों को बहुत प्रभावित किया है और ''युवा शक्ति'' के कारण पूरी दुनिया देश की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' संबोधन में कहा, ''आज दुनिया भारत को बहुत आशा के साथ देख रही है। भारत से उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है, हमारी युवा शक्ति। विज्ञान के क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां, नए-नए नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी का विस्तार इनसे दुनियाभर के देश बहुत प्रभावित हैं।''

मोदी ने कहा, ''भारत के युवाओं में हमेशा कुछ नया करने का जुनून है और वो उतने ही जागरूक भी हैं। मेरे युवा साथी कई बार मुझसे यह पूछते हैं कि राष्ट्र निर्माण में वो अपना योगदान और कैसे बढ़ाएं? वो कैसे अपने विचार साझा कर सकते हैं। कई साथी पूछते हैं कि मेरे सामने वो अपने विचार को कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं?'' उन्होंने कहा कि ''हमारे युवा साथियों की इस जिज्ञासा का समाधान है 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग'।'' उन्होंने कहा कि पिछले साल इसका पहला संस्करण आयोजित हुआ था और अब कुछ दिन बाद उसका दूसरा संस्करण आयोजित होने वाला है। उन्होंने कहा, ''अगले महीने की 12 तारीख को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया जाएगा। इसी दिन 'यंग लीडर्स डायलॉग' का भी आयोजन होगा और मैं भी इसमें जरूर शामिल होऊंगा। इसमें हमारे युवा नवोन्मेष, फिटनेस, स्टार्टअप और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। मैं इस कार्यक्रम को लेकर बहुत ही उत्सुक हूं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश के भीतर युवाओं को प्रतिभा दिखाने के नए- नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत से मंच विकसित हो रहे हैं, जहां युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा ही एक मंच है- 'स्मार्ट इंडिया हैकथॉन', जो एक और ऐसा माध्यम है जहां 'आईडिया, एक्शन' में बदलते हैं। उन्होंने कहा, '''स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025' का समापन इसी महीने हुआ है। इस हैकथॉन के दौरान 80 से अधिक सरकारी विभागों की 270 से ज्यादा समस्याओं पर छात्रों ने काम किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पर यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पर सवार होकर यात्रा की। मुर्मू पनडुब्बी पर सवार होकर यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले फरवरी 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस सिंधु रक्षक से समुद्री यात्रा की थी। अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे से कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी पर राष्ट्रपति के सवार होने के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी भी उनके साथ मौजूद थे।

मुर्मू ने नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में प्रवेश करने से पहले नौसेना कर्मियों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्होंने आईएनएस वाघशीर के चालक दल से बातचीत की और उनकी समर्पण भावना की सराहना की, साथ ही देशी पनडुब्बी को भारतीय नौसेना की पेशेवर उत्कृष्टता और युद्ध तैयारियों का चमकता उदाहरण बताया।

राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कारवार नौसेना अड्डे पर भारतीय नौसेना की स्वदेशी कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में सवार हुईं।'' इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति को भारत की समुद्री रणनीति में पनडुब्बी शाखा की भूमिका, परिचालन क्षमताओं और राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा में इसके योगदान के बारे में जानकारी दी गई।

भारत को 'विश्व गुरु' बनाने की दिशा में काम करें हिंदू : भागवत

■ हिंदू समाज को धर्म स्थापित करने के लिए पूरी दुनिया में अपने आदर्शों को फैलाना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं से अपील की कि वे हिंदू समाज और दुनिया के कल्याण के लिए भारत को 'विश्व गुरु' बनाने की दिशा में काम करें।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू संगठनों के एक सम्मेलन 'विश्व संघ शिविर' के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि हिंदुओं और स्वयंसेवकों को उदाहरण प्रस्तुत करके हुए यह दिखाना होगा कि मानव बुद्धि को वैश्विक कल्याण की दिशा में कैसे लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ... प्रौद्योगिकी आगे बढ़ेगी। सोशल मीडिया बढ़ेगा। ए.आई. आएगा। सब कुछ आएगा। लेकिन, प्रौद्योगिकी के दुष्प्रभाव नहीं होंगे। प्रौद्योगिकी मानवता की मालिक नहीं बनेगी। इंसान ही प्रौद्योगिकी का मालिक रहेगा। उन्होंने यह भी कहा, ''मानव बुद्धि को तकनीक के माध्यम से विश्व कल्याण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, न कि इसके विपरीत। यह कैसे संभव होगा? इसके लिए हमें स्वयं उदाहरण बनकर जीना होगा। यह संदेश पूरे भारतीय समाज के लिए है।''

भागवत ने कहा, दुनिया के बाकी हिस्सों में लोग अधिकतम लोगों का भला भी नहीं कर सके उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को ऐसी जीवनशैली अपनानी चाहिए, जिससे अन्य लोग उनसे सीख सकें। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू समाज को धर्म स्थापित करने के लिए पूरी दुनिया में अपने आदर्शों को फैलाना होगा, लेकिन यह सैन्य या आर्थिक ताकत से दूसरों को दबाकर नहीं, बल्कि अपने उच्च जीवन-मूल्यों की सहायता से करना होगा।

त्रिपुरा देश का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य बना

अगरतला/भाषा। मिजोरम और गोवा के बाद त्रिपुरा 2025 में देश का तीसरा पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया। वहीं, इस वर्ष सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी सहयोगी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के बीच खींचतान और बांग्लादेश से सुरक्षा संबंधी खतरे राज्य में प्रमुख मुद्दे रहे। राज्य की साक्षरता दर 95.6 प्रतिशत तक पहुंच गई है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के दिशानिर्देशों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने किसी राज्य को पूर्ण साक्षर घोषित करने के लिए 95 प्रतिशत से अधिक साक्षरता दर का मानदंड निर्धारित किया है। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में टीएमपी और भाजपा के बीच आंतरिक कलह देखने को मिली। इसी कड़ी में आगामी त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) चुनाव से पहले दोनों दलों की ओर से से एक-दूसरे के कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाएं सामने आई जिनमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए। टीएमपी सुप्रीमो और पूर्व राजपरिवार के वंशज प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने 'टिपरासा' समझौते के कार्यान्वयन और राज्य में आदिवासियों द्वारा बोली जाने वाली कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि को अपनाने पर अपनी पार्टी के रुख को दोहराया।

विकास की सबसे मजबूत नींव है शिक्षा : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नरसापुरम/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा विकास की सबसे मजबूत नींव है और उन्होंने विद्यार्थियों से सीखने, आत्म-सुधार व रचनात्मक सोच पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने पश्चिम गोदावरी जिले के पेडा मैनवानी लंका गांव स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही व्यक्तियों और समाजों को सशक्त बनाती है।

केंद्रीय मंत्री ने यूनियन बैंक के सहयोग से उपलब्ध कराए गए 18 लाख रुपए के कंप्यूटर, विज्ञान प्रयोगशाला और अन्य अवसंरचना सुविधाओं का उद्घाटन किया।

सीतारमण ने तटीय क्षेत्र के युवाओं को आत्मविश्वास के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें शिक्षा व क्षेत्रीय विकास के लिए सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को लगन से पढ़ाई करने की सलाह देते हुए उनसे राष्ट्र और राज्य की सेवा के लिए स्वयं को तैयार करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री के ग्राम विकास संबंधी विजन का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा कि गांव में जारी पीएम विश्वकर्मा योजना प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने पेड़ा मैनवानी लंका और अन्य गांवों के साथ लंबे समय से जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि स्थानीय महिलाओं के सशक्त सहयोग से विकास गतिविधियां निरंतर प्रगति कर रही हैं। उन्होंने कौशल विकास योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत युवाओं को 13 व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया गया, जिससे कई युवाओं को हैदराबाद और श्री सिटी में रोजगार प्राप्त करने में मदद मिली है।

अमेरिका 'वास्तविक' संयुक्त राष्ट्र बन गया है : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच तत्काल संघर्षविराम की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका ही ''वास्तविक'' संयुक्त राष्ट्र बन गया है और विश्व स्तर पर संघर्षों को सुलझाने में इस वैश्विक संस्था की भूमिका बहुत कम रही है। ट्रंप ने रविवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी लड़ाई फिलहाल रुक जाएगी और वे हाल ही में हुए मूल समझौते के अनुसार शांति से रहना शुरू कर देंगे।'' ट्रंप ने दोनों देशों के ''महान नेताओं को इस त्वरित और बहुत ही निष्पक्ष निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए उनके विवेक'' की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका हमेशा की तरह युद्धों को समाप्त करने में मदद करने पर गर्व महसूस करता है। साथ ही उन्होंने विश्व भर में संघर्षों को सुलझाने में संयुक्त राष्ट्र की ''विफलता'' की आलोचना की।

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा

यूरोपीय हमले पर मॉस्को की प्रतिक्रिया विनाशकारी होगी

मॉस्को/भाषा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को कहा कि मॉस्को का यूरोप में किसी पर भी हमला करने का इरादा नहीं है, लेकिन किसी भी हमले पर उसकी प्रतिक्रिया विनाशकारी होगी। लावरोव ने दावा किया कि यूरोपीय संघ का ''युद्ध समर्थक पक्ष'' यूक्रेन शांति प्रयासों में एक बड़ी बाधा बन गया है। लावरोव की चेतावनी उस दिन आई जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात प्रस्तावित है।

लावरोव ने सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''यूरोपीय राजनेताओं को, जिन्हें इस तथ्य को समझने में कठिनाई हो रही है, मेरा संदेश एक बार फिर यही है कि रूस द्वारा किसी पर भी हमला करने का कोई इरादा नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि, अगर कोई रूस पर हमला करने का विचार करता है, तो उसे करारा झटका लगेगा।''

हवाई अड्डे पर कार में बैठने की कोशिश करते समय टीवीके प्रमुख विजय गिरे

चेन्नई/भाषा। टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय रविवार को यहां हवाई अड्डे पर अपनी कार में बैठने की कोशिश करते समय गिर गए। मलेशिया से लौटने के बाद भारी भीड़ से घिरे विजय निकास क्षेत्र की ओर बढ़े और कार में बैठने से कुछ क्षण पहले भीड़ के कारण गिर पड़े। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उन्हें उठाया और कार में बैठने में मदद की। विजय रविवार रात मलेशिया से लौटे थे, जहां उन्होंने 'जननायक' फिल्म के ऑडियो रिलीज कार्यक्रम में भाग लिया था। कुछ टीवी चैनलों पर प्रसारित दृश्यों के अनुसार, विजय के काफिले की एक कार हवाई अड्डा परिसर में मामूली हादसे का शिकार हो गई।

'कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज है'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के रविवार को 140वें स्थापना दिवस पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़ी रही है। उन्होंने यहां पार्टी के मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित 140वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

गांधी ने 'एक्स' पर कहा, संकल्प है कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मज़बूती से लड़ेंगे। उन्होंने कहा, आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसजन को हार्दिक शुभकामनाएं। हम उस ऐतिहासिक विरासत और उन महान बलिदानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को आज़ादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय व समानता के मूल्यों को मजबूत किया।

कानूनी पेशे को सफलता का शॉर्टकट न मानें : सीजेआई

चंडीगढ़/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि कानूनी पेशे में उन लोगों को ईनाम मिलता है जो इसे सफलता का शॉर्टकट नहीं, बल्कि एक ऐसी कला मानते हैं, जिसे सावधानीपूर्वक सीखकर ईमानदारी के साथ अभ्यास करना होता है।

उन्होंने कहा कि कानून कोई तेज दौड़ नहीं है बल्कि एक लंबी और सोच-समझकर तय की जाने वाली यात्रा है। सीजेआई डॉ. बी.आर. आंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

स्मृति और शेफाली के अर्धशतक, रिकॉर्ड की झड़ी के बीच

भारत ने श्रीलंका को हराकर 4-0 की बढ़त बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 30 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बनाई।

भारत के 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम कप्तान चामरी अटापट्टू (52 रन, 37 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) के अर्धशतक और हसिनी परेरा (33) के साथ उनकी पहले विकेट की 59 और इमेशा दुलानी (29) के साथ दूसरे विकेट की 57 रन की साझेदारी के बावजूद छह विकेट पर 191 रन ही बना सकी जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर है।

भारत की ओर से बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने 24 रन जबकि अरुंधति रेड्डी ने 42 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। श्री चरणी ने भी 46 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

भारत के लिए हालांकि क्षेत्ररक्षण चिंता का विषय रहेगा क्योंकि उसके क्षेत्ररक्षकों ने कई कैच टपकाए।

शुरुआती तीन मैच में विफल रही स्मृति (80 रन, 48 गेंद, 11 चौके, तीन छक्के) और शेफाली (79 रन, 46 गेंद, 12 चौके, एक छक्का) ने पहले विकेट के लिए 162 रन की भारत की ओर से किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी करते हुए टीम को दो विकेट पर 221 रन के स्कोर तक पहुंचाया जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर है। टीम ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ दिसंबर 2024 में चार विकेट पर 217 रन बनाए थे।

ऋचा घोष (16 गेंद में नाबाद 40) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 16) ने तीसरे विकेट के लिए 23 गेंद में 53 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया।

अमित शाह ने राहुल गांधी से कहा

अगर आप लोगों की पसंद का विरोध करेंगे, तो वोट कैसे मिलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर कोई पार्टी लोगों को पसंद आने वाली हर चीज का विरोध करती है, तो उसे वोट नहीं मिलेंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि राहुल गांधी को यह ''सरल तर्क'' समझाना उनकी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी इसे समझाने में विफल रहे हैं।

शाह अहमदाबाद शहर के पास एक गांव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा, ''हाल ही में लोकसभा में हुई बहस के दौरान, (विपक्ष के नेता) राहुल गांधी ने मुझसे एक अजीब सवाल पूछा : 'चुनाव में हर बार सिर्फ उनकी पार्टी ही क्यों हारती है?' उन्होंने लोगों से पूछने के बजाय मुझसे पूछा। राहुल बाबा, अगर आप मेरे द्वारा शुरू की गई इन दो पहल को समझेंगे, तो आपको इसका जवाब मिल जाएगा।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राहुल गांधी को ''हार से थकना नहीं चाहिए'' क्योंकि ''कांग्रेस आगामी तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में निश्चित रूप से हारेगी।'' उन्होंने दावा किया कि 2029 के लोकसभा चुनावों में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विजयी होगी।

शाह ने कहा, ''हमारी सफलता का कारण यह है कि लोग हमारे सिद्धांतों से जुड़े हुए हैं। कांग्रेस ने राम मंदिर, आतंकवादियों पर सर्जिकल स्ट्राइक, अनुच्छेद 370 को हटाने, समान नागरिक संहिता, तीन तलाक विरोधी अधिनियम और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के हमारे अभियान का विरोध किया था।'' उन्होंने कहा, ''अब बताइए, अगर आप लोगों की पसंद का विरोध करेंगे तो आपको वोट कैसे मिलेंगे? लेकिन राहुल बाबा को यह सरल तर्क समझाना मेरी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी ऐसा करने में असफल रहे हैं।''

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थिर, 2026 में भी निरंतर वृद्धि की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर लगभग 50 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को विविध करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा और यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है।

व्यापार मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के शब्दों में, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है। इसी सिद्धांत के साथ भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है। भारत का निर्यात 2020 में लगभग 276.5 अरब डॉलर था, जो 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर हो गया था। 2023 में यह गिरकर 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन फिर 2024 में यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 (जनवरी-नवंबर) तक इसका आंकड़ा लगभग 407 अरब डॉलर हो चुका है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का माल और सेवा निर्यात ऐतिहासिक उच्च स्तर 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर छह प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर रहा, जो वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लचीलेपन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान रुझानों के आधार पर 2026 में भी भारत की निर्यात वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है। खास तौर पर तीन मुक्त व्यापार समझौते (ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड) अगले साल लागू होने वाले हैं, जो भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को बेहतर बाजार पहुंच देंगे। अमेरिका ने 2025 में भारतीय वस्तुओं पर उच्च शुल्क लागू किए। इसके कारण सितंबर और अक्टूबर में अमेरिका के लिए निर्यात प्रभावित हुआ, लेकिन नवंबर 2025 में अमेरिका के लिए निर्यात 22.61 प्रतिशत बढ़कर 6.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो निर्यातकों के अनुकूल संकेत है। हालांकि, निर्यातक अभी भी वैश्विक अनिश्चितताओं को लेकर सतर्क हैं। वे अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की आशा कर रहे हैं ताकि निर्यात को और मजबूती मिले।

उपग्रह सेवाएं सुरक्षा मंजूरी, स्पेक्ट्रम आवंटन के बाद शुरू होंगी : सिंधिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाएं देश में तब शुरू की जाएंगी, जब इस क्षेत्र की कंपनियां, जिनमें एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक भी शामिल है, सुरक्षा एजेंसियों की मांगों का पालन करेंगी। मंत्री ने पीटीआई-भाषा को दिए गए साक्षात्कार में कहा कि सरकार जल्द ही सैटकॉम कंपनियों - स्टारलिंक, यूटेलसैट वन और जियो एसजीएस - को स्पेक्ट्रम आवंटित करने की स्थिति में होगी। ऐसा दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा स्पेक्ट्रम की कीमत तय करने के बाद किया जाएगा। सिंधिया ने कहा, ''दो मुद्दे हैं, जिनका समाधान करना है। पहला है लाइसेंसधारकों - वनवेब, रिलायंस जियो, और स्टारलिंक - का सुरक्षा मंजूरी से संबंधित अंतरराष्ट्रीय गेटवे की आवश्यकताओं का पालन करना, जिसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि डेटा भारत में ही रहे।''

मंत्री ने कहा कि सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ अनुपालन क्षमता दिखाने के लिए सैटकॉम कंपनियों को अस्थायी रूप से स्पेक्ट्रम भी आवंटित कर दिया है। सिंधिया ने कहा, ''वे इस प्रक्रिया में हैं, इसलिए उन्हें अनुपालन करना होगा।'' उन्होंने यह भी बताया कि सरकार स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जिसे दूरसंचार विभाग और दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि यह जल्द ही सुलझ जाएगा।'' ट्राई और डीओटी के बीच सैटकॉम सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम को लेकर कई बिंदुओं पर मतभेद हैं। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) द्वारा मांगी गई राहत के बारे में मंत्री ने कहा कि डीओटी अभी भी इस पर काम कर रहा है। सिंधिया ने कहा, ''हम इस पर विचार कर रहे हैं। दूरसंचार विभाग में इस बारे में कार्य प्रगति पर है।'' वीआईएल ने इस साल की शुरुआत में डीओटी को एक पत्र में कहा था कि उसकी सरकार के प्रति देनदारियां लगभग दो लाख करोड़ रुपए हैं, जिसमें से 1.19 लाख करोड़ रुपए की स्पेक्ट्रम देनदारियां हैं। कंपनी ने कहा था कि अगर कोई समर्थन नहीं मिला तो स्पेक्ट्रम देनदारियों की वसूली नहीं हो पाएगी। साथ ही 53,083 करोड़ रुपए का इक्विटी मूल्य शून्य हो जाएगा और केंद्र सरकार को भारी वित्तीय नुकसान होगा।

ग्राहक अनुभव, मूल्य भारत के 'फूड डिलीवरी' कारोबार को बढ़ावा देंगे : स्विगी, मैजिकपिन

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाने-पीने का सामान पहुंचाने वाली कंपनी मैजिकपिन और स्विगी के अनुसार 2026 में भारत के 'फूड डिलीवरी' कारोबार की वृद्धि ग्राहक अनुभव, गति और मूल्य चेतना से प्रेरित होगी।

देश के तीसरे सबसे बड़े खाद्य वितरण मंच मैजिकपिन के मुख्य कार्यपालक (सीईओ) और संस्थापक अंशू शर्मा का मानना है कि वृद्धि मुख्य रूप से व्यापारियों के और किफायती सेवाओं को पसंद करने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने से आएगी। शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम एक विस्तृत श्रेणी के व्यापारियों को अपनी सेवा में जोड़ रहे हैं, छोटे स्थानीय रेस्तरां से लेकर बड़े ब्रांड और राष्ट्रीय श्रृंखलाओं तक, ताकि वे डिजिटल अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भाग ले सकें। उन्होंने कहा कि प्रवेश की बाधाओं को कम करके और व्यापारियों के लाभ-हानि के संतुलन को बेहतर बनाकर टिकाऊ फूड डिलीवरी व्यवस्था बनाई जा सकती है।

स्विगी के फूड मार्केटप्लेस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रोहित कपूर ने कहा कि समय के साथ भोजन वितरण सेवा उपभोक्ताओं की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार विकसित हुई है। कपूर ने कहा कि 2026 को देखते हुए इस क्षेत्र के लिए अवसर रोजमर्रा के फैसलों और नए उपयोग के मामलों पर प्रतिक्रिया देने, जरूरत पड़ने पर भोजन वितरण को तेज बनाने, अधिक संतुलित और लगातार विश्वसनीय बनाने में निहित है।

कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को जोर देकर कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।

खरगे ने इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के महान नेताओं के कारण ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया। उन्होंने कहा, आज (रविवार को) स्थापना दिवस पर मैं उन लोगों से एक बात स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं, जो कहते हैं कि 'कांग्रेस का अंत हो गया है'। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि हमारी शक्ति भले ही कम हो गई हो, लेकिन हमारा हौसला अब भी बुलंद है। हमने किसी से समझौता नहीं किया, न संविधान से, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही गरीबों के अधिकारों से। हम भले ही सत्ता में न हों, लेकिन हम समझौता नहीं करेंगे। खरगे ने बताया कि कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगे और जोर देकर कहा कि पार्टी ने कभी मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफरत नहीं फैलाई। उन्होंने कहा, कांग्रेस एकजुट करती है, (जबकि) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बांटती है। कांग्रेस ने धर्म को केवल आस्था तक ही सीमित रखा, लेकिन कुछ लोगों ने धर्म को राजनीति में घसीट लिया। आज भाजपा सत्ता में है, लेकिन उसके पास सच्चाई नहीं है। इसलिए कभी आंकड़े छिपाए जाते हैं, कभी जनगणना रोक दी जाती है, कभी संविधान बदलने की बातें होती हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जो लोग आज इतिहास पर भाषण दे रहे हैं, उनके पूर्वज इतिहास से भाग रहे थे। उन्होंने जोर देकर कहा, कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं।

खरगे ने यह भी कहा कि वर्ष 2025 महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का शताब्दी वर्ष, संविधान को अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ और वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 दादाभाई नौरोजी की 200वीं वर्षगांठ, सरोजिनी नायडू के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी और 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' गीत की शताब्दी है, जिसे पहली बार दिसंबर 1925 में कानपुर कांग्रेस अधिवेशन में गाया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि भारत की स्वतंत्रता के समय के आसपास कई देशों ने स्वतंत्रता प्राप्त की, जिसमें से कुछ देश असफल रहे, जबकि अन्य में तानाशाही का बोलबाला रहा। उन्होंने दावा किया, केवल भारत ही ऐसा देश है, जहां लोकतंत्र जीवंत है। कांग्रेस के महान नेताओं की बदौलत ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया है।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की जनता के कल्याण, सशक्तीकरण और समावेशी विकास के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, हम भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों में समान अवसर में दृढ़ विश्वास रखते हैं।

तेलंगाना के दवा संयंत्र में विस्फोट मामले में सिगाची इंडस्ट्रीज का सीईओ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा संयंत्र में इस साल जून में हुए विस्फोट के सिलसिले में कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इस घटना में 54 लोगों की मौत हो गई थी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के मामले में आरोपी नंबर दो के रूप में नामजद सिगाची इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित राज सिन्हा को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो सभी दवा कंपनी से जुड़े हैं।

तीस जून को संगारेड्डी जिले में सिगाची के विनिर्माण संयंत्र में हुए विस्फोट और आग लगने की घटना में 54 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए।

नई परिभाषा से अरावली और अन्य छोटी पहाड़ियां नष्ट हो जाएंगी: जयराम रमेश

नई दिल्ली/भाषा। अरावली पर्वतमाला को पुन: परिभाषित किए जाने को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से रविवार को चार सवाल पूछे और दावा किया कि इस कदम से अरावली सहित कई छोटी पहाड़िया और अन्य भू आकृतियां नष्ट हो जाएंगी। यादव को लिखे पत्र में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर व्यापक चिंताएं होना स्वाभाविक है, क्योंकि इसके तहत इन्हें 100 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई वाले भू-आकृतियों तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में कृपया मुझे आपके विचारार्थ चार विशिष्ट प्रश्न पूछने की अनुमति दें। पहला प्रश्न- क्या यह तथ्य नहीं है कि राजस्थान में 2012 से अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा 28 अगस्त 2010 की भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर आधारित रही है, जिसमें निम्नलिखित बातें कही गई हैं: सभी इलाके जिनका ढलान तीन डिग्री या उससे अधिक है, उन्हें पहाड़ियों के रूप में निरूपित किया जाएगा।'' रमेश ने कहा, ''इसके साथ ही ढलान की दिशा में एक समान 100 मीटर चौड़ा बफर जोड़ा जाएगा, ताकि 20 मीटर ऊंचाई की पहाड़ी के अनुरूप संभावित विस्तार को ध्यान में रखा जा सके, जो 20 मीटर के 'कंटूर इंटरवल' (समोच्च अंतराल) के बराबर है। इन निरूपित क्षेत्रों के भीतर आने वाले समतल इलाके, गड्ढे और घाटियों भी पहाड़ियों का हिस्सा मानी जाएंगी।'' उन्होंने दूसरा सवाल किया कि क्या यह सच नहीं है कि भारतीय वन सर्वेक्षण ने 20 सितंबर 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजे गए अपने एक पत्र में यह कहा था- ''अरावली की छोटी पहाड़ी संरचनाएं मरुस्थलीकरण के खिलाफ प्राकृतिक अवरोध के रूप में काम करती हैं, क्योंकि वे भारी रेत कणों को रोकती हैं-इस प्रकार दिल्ली और आसपास के मैदानी इलाको को रेत के तूफानों से बचाती हैं।''

रमेश ने कहा, ''चूंकि हवा के साथ उड़ने वाली रेत के विरुद्ध किसी अवरोध की सुरक्षा क्षमता सीधे उसकी ऊंचाई के अनुपात में बढ़ती है, इसलिए 10 से 30 मीटर ऊंचाई वाली मामूली पहाड़ियां भी मजबूत प्राकृतिक हवा अवरोधकों के रूप में काम करती हैं।'' उन्होंने कहा, ''तीसरा सवाल- क्या यह तथ्य नहीं है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने अपनी सात नवंबर 2025 की रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला था कि राजस्थान में 164 खनन पट्टे उस समय प्रचलित भारतीय वन सर्वेक्षण की परिभाषा के अनुसार अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं के अंदर स्थित थीं?''

रॉल्स रॉयस भारत में बड़े विस्तार के लिए तैयार

जेट इंजन और नौसैनिक प्रणोदन कार्यक्रमों पर नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटेन की एयरो-इंजन विनिर्माता कंपनी रॉल्स रॉयस ने रविवार को कहा कि वह भारत को ब्रिटेन के बाहर अपना तीसरा ''गृह बाजार'' बनाने पर विचार कर रही है। यह योजना जेट इंजन, नौसैनिक प्रणोदन, थल प्रणालियों और उन्नत इंजीनियरिंग सहित कई क्षेत्रों में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार की गई है।

रॉल्स रॉयस इंडिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष साशी मुकुंदन ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि कंपनी भारत में बड़े निवेश की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के एयरो इंजन को भारत में विकसित करना प्राथमिकता है, ताकि उन्नत मध्यम युद्धक विमान कार्यक्रम के तहत भारत में बनने वाले लड़ाकू विमानों को शक्ति दी जा सके।

ब्रिटेन के अलावा रॉल्स रॉयस अमेरिका और जर्मनी को भी अपना ''गृह बाजार'' मानती है, क्योंकि इन दोनों देशों में कंपनी की मजबूत मौजूदगी है, जिसमें विनिर्माण सुविधाएं भी शामिल हैं।

मुकुंदन ने यह भी बताया कि रॉल्स रॉयस भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक प्रणोदन की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि

एएमसीए के लिए जेट इंजन के विकास में रॉल्स रॉयस की भागीदारी से भारत को नौसैनिक प्रणोदन के लिए भी इंजन बनाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने विशिष्ट विवरण साझा किए बिना कहा कि रॉल्स रॉयस भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निवेश पर नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत के पास पैमाना, नीति की स्पष्टता और रक्षा तथा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की स्पष्ट दिशा है।

मुकुंदन ने कहा कि यदि सब कुछ ठीक रहा तो यह एक बड़ा निवेश होगा, इतना बड़ा कि लोगों की नजर इस पर जाएगी, लेकिन उन्होंने इसकी राशि बताने से इनकार किया। उनके अनुसार इस निवेश का असली महत्व इसके प्रभाव में है, जिससे कंपनी जिन क्षेत्रों में काम करती है वहां पूरी मूल्य श्रृंखला और पारिस्थितिकी तंत्र का विकास होगा।

रॉल्स रॉयस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कंपनी भारत की दो रक्षा पीएसयू के साथ दो समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने जा रही है। एक समझौता अर्जुन टैंक के लिए इंजन बनाने से जुड़ा होगा, जबकि दूसरा भविष्य के लिए तैयार युद्धक वाहनों के लिए इंजनों से संबंधित होगा।

मुकुंदन ने कहा कि ब्रिटेन के बाहर कंपनी ने अमेरिका और जर्मनी को गृह बाजार के रूप में विकसित किया है और अब भारत को अगला गृह बाजार बनाने की इच्छा है। इसका मतलब यह है कि कंपनी रक्षा तक सीमित न रहकर सभी क्षेत्रों में काम करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षा रक्षा, नौसैनिक प्रणोदन, थल प्रणालियों, विनिर्माण, उन्नत इंजीनियरिंग कौशल और प्रौद्योगिकी विकास तक फैली हुई है और यह भारत की प्राथमिकताओं के साथ मेल खाती है।

लॉकहीड मार्टिन ने भारतीय वायु सेना के लिए सी-130जे को 'सर्वश्रेष्ठ' विकल्प बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैरिएटा (अमेरिका)/भाषा। करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदे जाने की भारत की तैयारी के बीच अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस को सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में पेश करते हुए कहा है कि विमानों का एक अतिरिक्त बेड़ा 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के बीच सामरिक हवाई परिचालन में भारत को ''मजबूत'' ताकत प्रदान करेगा।

लॉकहीड मार्टिन के शीर्ष अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि यदि लॉकहीड मार्टिन को मौका मिलता है, तो वह भारत में इस विमान के उत्पादन के लिए एक बड़ा केंद्र स्थापित करेगा और यह अमेरिका के बाहर इस तरह की पहली वैश्विक सुविधा होगी।

अब तक लॉकहीड मार्टिन सी-130जे सुपर हरक्यूलिस श्रेणी के 560 से अधिक विमानों की आपूर्ति कर चुकी है, जिन्होंने 30 लाख से अधिक उड़ान घंटे पूरे किए हैं। यह अग्रणी सामरिक परिवहन विमान 23 देशों में 28 संचालकों को सेवा दे रहा है।

भारतीय वायु सेना वर्तमान में 12 सी-130जे विमानों का संचालन करती है।

भारत के अलावा क्वाड के तीन अन्य सदस्य देश-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और

जापान-भी सी-130जे का संचालन कर रहे हैं। लॉकहीड मार्टिन में हवाई गतिशीलता और समुद्री मिशन की उपाध्यक्ष पेट्रिशिया ट्रिश पेगन ने कहा, ''सी-130जे सुपर हरक्यूलिस हर कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन और क्षमताएं प्रदान करता है। यह विमान भारत के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा।''

भारतीय वायु सेना ने 2022 में सोवियत काल के अपने पुराने एएन-32 और आईएल-76 विमानों के स्थान पर मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) खरीदने के लिए सूचना अनुरोध (आरएफआई) जारी किया था। भारतीय वायु सेना करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदने की योजना बना रही है और कई अरब डॉलर की इस खरीद को अगले कुछ सप्ताह में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से मंजूरी मिलने की संभावना है।

अमेरिकी रक्षा कंपनी ने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस कार्यक्रम के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है। लॉकहीड मार्टिन एरोनॉटिक्स में रखरखाव संचालन के उपाध्यक्ष रोडरिक मैक्लीन ने कहा कि एमटीए कार्यक्रम भारत-अमेरिका साझेदारी को ''नई रणनीतिक मूल्य'' दे सकता है, क्योंकि इससे दोनों पक्ष रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत कर सकेंगे।

मैक्लीन ने यह भी कहा कि इतिहास में सी-130जे जैसा प्रासंगिक और बहु उपयोगी सामरिक परिवहन विमान कोई नहीं है, क्योंकि इसमें 70 वर्षों से अधिक समय से हुए नवोन्मेष शामिल हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई विशेषताएं भी जोड़ी जा रही हैं। उन्होंने कहा, ''सी-130जे विमानों का महत्व उनके केवल आज के कार्यों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि निरंतर नवोन्मेष के माध्यम से उनकी भावी क्षमताओं में भी निहित है। इससे भारतीय वायु सेना लॉकहीड मार्टिन के साथ भागीदारी करके कंपनी की ताकत का लाभ भी उठा सकेगी।'' मैक्लीन ने कहा कि एमटीए कार्यक्रम सी-130जे बेड़े के भविष्य के विस्तार के लिए बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा, ''यह 70 वर्षों के इतिहास में सी-130 के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय अवसर है।''

लॉकहीड मार्टिन एरोनॉटिक्स में वायु गतिशीलता और समुद्री मिशन के व्यवसाय विकास के उपाध्यक्ष रॉबर्ट टोथ ने कहा कि सी-130जे दुनिया भर में 'आशा का प्रतीक' है और भारत के एमटीए कार्यक्रम के लिए यह सही विकल्प होगा। सी-130जे सुपर हरक्यूलिस का रिकॉर्ड अच्छा है और भारतीय वायु सेना पिछले कई वर्षों से इसे विभिन्न मिशन में इस्तेमाल कर रही है। टोथ ने कहा कि भारत में इस विमान के लिए मैरिएटा के बाहर पहला बड़ा उत्पादन केंद्र स्थापित करने की लॉकहीड मार्टिन की योजना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''अब तक बने 2,700 से अधिक सी-130 विमानों में से केवल पहले दो प्रोटोटाइप (नमूना) विमान मैरिएटा के बाहर बने थे। वे कैलिफोर्निया के बरबैंक में बने थे।''

इसरो का लक्ष्य श्रीहरिकोटा में चार साल के भीतर तीसरा प्रक्षेपण पैड विकसित करना है : वैज्ञानिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र पर तीसरा प्रक्षेपण पैड विकसित करने की प्रक्रिया में है और वर्तमान में इसके लिए उपयुक्त कंपनियों की तलाश की जा रही है। यह जानकारी एक शीर्ष वैज्ञानिक ने दी है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से करीब 135 किलोमीटर पूर्व में स्थित श्रीहरिकोटा परिसर 175 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी को विभिन्न प्रक्षेपण यानों के जरिये उपग्रहों को कक्षा में पहुंचाने की सेवा मुहैया कराता रहा है।

श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक और प्रख्यात वैज्ञानिक पद्मकुमार ईएस ने कहा कि अंतरिक्ष में विभिन्न कक्षाओं में 12,000-14,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले बड़े उपग्रहों को स्थापित करने की योजना पर आगे बढ़ने के लिए इसरो को बड़े प्रक्षेपण यानों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इसरो तीसरे प्रक्षेपण पैड की योजना बना रहा है।

पद्मकुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से हालिया बातचीत में कहा, ''हमारी योजना चार साल में तीसरा 'लॉन्च पैड' स्थापित कर संचालित करने की है। इसके लिए प्रक्रिया जारी है।'' उन्होंने कहा, ''हम खरीद प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं और इस विशाल परियोजना के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उपयुक्त कंपनियों की पहचान कर रहे हैं।''

पद्मकुमार ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि एक बार तीसरा प्रक्षेपण पैड चालू हो जाने के बाद, इसका उपयोग 14,000 किलोग्राम से अधिक वजन के उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के लिए किया जाएगा, जिन्हें अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यानों (एनजीएलवी) द्वारा कक्षा में ले जाया जाएगा।

इसरो ने 24 दिसंबर को लगभग 6,000 किलोग्राम वजनी अमेरिकी उपग्रह ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 को एलवीएम3-एम6 रॉकेट के जरिये पृथ्वी की निम्न कक्षा में स्थापित किया था। इसके साथ ही अंतरिक्ष एजेंसी ने पहली बार भारतीय धरती से इतने अधिक वजन का उपग्रह कक्षा में भेजा था।

पद्मकुमार ने बताया कि आगामी शृंखला के प्रक्षेपण यानों के लिए तीसरे प्रक्षेपण पैड की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''तीसरे प्रक्षेपण पैड का उपयोग मानवयुक्त और मानवरहित दोनों प्रकार के अभियानों के लिए किया जाएगा, जबकि पहले और दूसरे प्रक्षेपण पैड का उपयोग पीएसएलवी और जीएसएलवी रॉकेट को प्रक्षेपित करने के लिए किया जाता है।''

तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के कुलसेकरपट्टिनम में निर्माणाधीन इसरो प्रक्षेपण परिसर के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस सुविधा का उपयोग लघु उपग्रह प्रक्षेपण यानों (एसएसएलवी) को प्रक्षेपण करने के लिए किया जाएगा, जो उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा में स्थापित कर सकते हैं।

पद्मकुमार ने कहा, ''इन उपग्रहों का वजन लगभग 500 किलोग्राम हो सकता है और इन्हें निम्न-स्तरीय विद्युत क्षेत्र (एलईओ) में स्थापित किया जा सकता है। ऐसे मिशनों के लिए, हम उस (कुलसेकरपट्टिनम) सुविधा का उपयोग करेंगे।''

इसरो वर्तमान में तीन तरह के प्रक्षेपण यानों ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी), भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) और लॉन्च व्हीकल मार्क 3 (एलवीएम3) का इस्तेमाल करता है। एलवीएम को पूर्व में भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान एमके-3 नाम से जाना जाता था। इसरो के मुताबिक, अंतरिक्ष एजेंसी के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर सतीश धवन की स्मृति में पांच सितंबर, 2002 को इस अंतरिक्ष केंद्र का नाम बदलकर सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) कर दिया गया था।

इस अंतरिक्ष केंद्र का परिचालन अक्टूबर 1971 में 'रोहिणी-125' रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ। तब से, अंतरिक्ष एजेंसी की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए यहां की सुविधाओं का धीरे-धीरे विस्तार किया गया है।

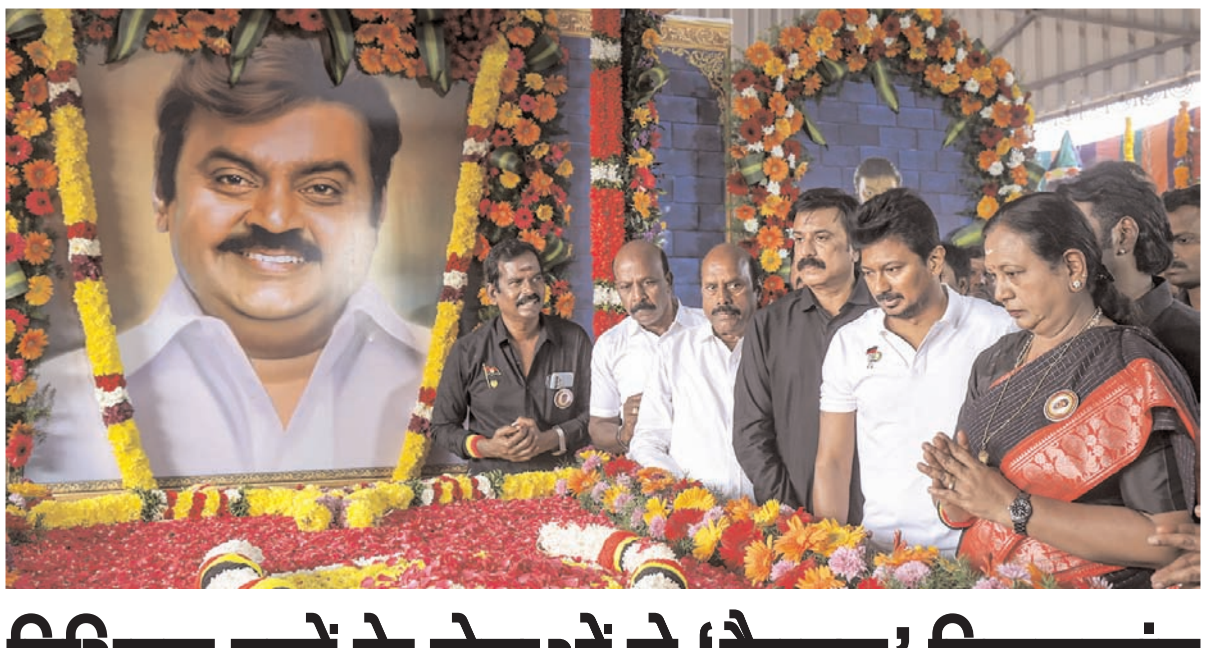

विभिन्न दलों के नेताओं ने 'कैप्टन' विजयकांत को उनकी दूसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में पार्टी लाइन से ऊपर उठकर विभिन्न दलों के नेताओं ने अपने प्रशंसकों के बीच 'कैप्टन' नाम से लोकप्रिय डीएमडीके संस्थापक नेता विजयकांत को उनकी दूसरी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विजयकांत को उदार हृदय और एक सच्चा मित्र बताया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा, ''दिवंगत नेता ने गरीबों के प्रति करुणा और सभी लोगों की मदद करने को लेकर असीम प्रेम अर्जित किया।'' उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी समेत कई लोग कोयम्बेडु स्थित डीएमडीके मुख्यालय परिसर में विजयकांत की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागई, भाजपा नेता नैनार नागेंद्रन, पी राधाकृष्णन, तमिलिसाई सुंदर राजन, एनटीके के शीर्ष नेता सीमन और तमिलगा वाझवुरीमई काची के संस्थापक नेता टी वेलमुरुगन उन अन्य लोगों में शामिल थे, जिन्होंने समाधि पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। टीवीके संस्थापक नेता विजय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''कैप्टन विजयकांत की दूसरी पुण्यतिथि पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह जनता के दिलों में अमिट स्थान रखते हैं।'' पीएमके के शीर्ष नेता अंबुमणि ने कहा कि भले ही कई साल बीत जाएं, लेकिन विजयकांत को उनकी मानवता के लिए जनता हमेशा याद रखेगी। सुबह से ही लोग समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए डीएमडीके प्रदेश मुख्यालय के सामने कतार में खड़े थे। विजयकांत का जन्म 1952 में हुआ था और 2023 उनका निधन हो गया। वह 1980 के दशक से ही एक प्रसिद्ध सितारे थे।

उन्होंने 14 सितंबर 2005 को अपनी पार्टी 'देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम' की स्थापना की और 2011 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में चुनाव जीतकर विपक्ष के नेता बने। 1991 में विजयकांत की 100वीं फिल्म 'कैप्टन प्रभाकरन' की बॉक्स ऑफिस पर अपार सफलता के बाद से आज तक उनके समर्थक और प्रशंसक उन्हें 'कैप्टन' कहकर पुकारते हैं।

पुडुचेरी में नव वर्ष से पहले पर्यटकों की भीड़ उमड़ी, यातायात प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/भाषा। नए साल के आगमन में अब केवल तीन दिन शेष हैं, ऐसे में पुडुचेरी देश भर से बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

इसके कारण पूर्व में फ्रांस के उपनिवेश रहे इस शहर में पिछले कुछ दिनों से भारी संख्या में सैलानियों के पहुंचने से मुख्य सड़कें कार और वैन से भरी हुई हैं, जिससे यातायात की गंभीर समस्या पैदा हो गई है।

सड़कों पर वाहनों के अत्यधिक दबाव के कारण चालकों को आगे बढ़ने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों के किनारे अनियंत्रित पार्किंग ने इस अव्यवस्था को और बढ़ा दिया है, वहीं दूसरी ओर सफाई कर्मचारी कचरे के बढ़ते ढेर से निपटने के लिए जूझ रहे हैं।

होटल और रेस्तरां पर्यटकों से पूरी तरह भरे हुए हैं। एक होटल व्यवसायी के अनुसार, इस साल पर्यटकों की संख्या पिछले साल के मुकाबले कहीं अधिक है। इस बीच, हर उम्र के पर्यटक प्रमुख क्षेत्रों में घूमते हुए उन इमारतों और घरों की सराहना कर रहे हैं, जिनमें फ्रांसीसी-तमिल वास्तुकला की झलक देखने को मिलती है।

आंध्र प्रदेश के एक पर्यटक ने कहा,''हम हर साल नए साल से कुछ दिन पहले पुडुचेरी आते हैं क्योंकि तत्कालीन फ्रांसीसी शासकों द्वारा बनाई गई सीधी सड़कें हमें सीधे समुद्र तट तक ले जाती हैं।'' पर्यटकों के आगमन से सड़कों के किनारे स्थित भोजनालयों का कारोबार फल-फूल रहा है।

विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्रियों सहित अन्य अति विशिष्ट हस्तियों के आगमन ने यातायात की समस्याओं को और अधिक बढ़ा दिया है। भारत के उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन सोमवार को कलापेट स्थित पुडुचेरी केंद्रीय विश्वविद्यालय में वार्षिक दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए यहां आएंगे।

पुडुचेरी के मंदिर और अन्य पूजा स्थल नए साल की पूर्व संध्या पर उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर सुचारु प्रबंधन सुनिश्चित करने की तैयारियों में जुटे हैं। होटलों ने विशेष कार्यक्रमों की योजना बनाई है, जबकि स्थानीय प्रशासन ने इन आयोजनों को निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक उपाय किए हैं।

प्रशंसकों के लिए सिनेमा छोड़ राजनीति में उतरा हूं : अभिनेता विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अभिनेता से नेता बने विजय ने कहा है कि उन्होंने उन प्रशंसकों के लिए ''खड़े रहने'' की खातिर ''सिनेमा छोड़ने'' का फैसला किया है, जिन्होंने उन्हें सब कुछ दिया है।

विजय ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' का गाना रिलीज करने के लिए मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के बुकिट जलील स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, जब मैं सिनेमा में आया था, तब मुझे लगा था कि मैं यहां रेत का एक छोटा घर बना रहा हूं, लेकिन आप लोगों ने मेरे लिए महल खड़ा कर दिया। प्रशंसकों ने मुझे किला बनाने में मदद की...इसीलिए मैंने उनके लिए खड़े होने का फैसला किया है।

गत 27 दिसंबर को हुए इस आयोजन में लगभग एक लाख प्रशंसक जुटे, जिसे मलेशियाई बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। श्रीलंका के बाद मलेशिया में दुनिया की सबसे बड़ी तमिल आबादी रहती है।विजय ने कहा, अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं, तो आपको एक कड़े प्रतिद्वंद्वी की जरूरत होती है। शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी होने पर ही आप और मजबूत बनते हैं। 2026 में इतिहास खुद को दोहराएगा। 'थलपति तिरुविजा' के रूप में प्रचारित यह कार्यक्रम विजय का सिनेमाई विदाई कार्यक्रम माना जा रहा है। इस मौके पर अभिनेता नासर ने भावुक होते हुए विजय से अपने संन्यास के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

एच विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' में पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, प्रकाश राज और प्रियामणि भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म नौ जनवरी, 2026 को पोंगल के अवसर पर पूरी दुनिया में रिलीज होगी।

'जन नायकन' का गाना रिलीज करने के लिए आयोजित कार्यक्रम का प्रसारण चार जनवरी 2026 को जी तमिल पर होगा।

केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस महिलाओं और युवाओं को 50 प्रतिशत सीट आवंटित करेगी : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने रविवार को कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों में महिलाओं और युवाओं को अधिक सीट आवंटित करेगी।

सतीशन ने एक राष्ट्रीय दैनिक को दिए साक्षात्कार में कहा था कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की 50 प्रतिशत सीट महिलाओं और युवा उम्मीदवारों को आवंटित की जाएंगी। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह निर्णय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की नीति और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की महिलाओं और युवाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। उन्होंने कहा, ''इस आदेश को लागू करना हमारी जिम्मेदारी है और हम ऐसा करेंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि इस कदम का मतलब यह नहीं है कि वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर दिया जाएगा।

सतीशन ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व पार्टी को सक्रिय रखने के लिए युवा नेताओं को अधिक अवसर प्रदान करना चाहता है। उन्होंने कहा, बदलाव होंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वरिष्ठ नेताओं को अवसर नहीं दिए जाएंगे।

राष्ट्रगान गलत तरीके से गाने के कारण कांग्रेस को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में कांग्रेस पार्टी उस समय शर्मनाक स्थिति में फंस गई जब रविवार को उसके राज्य मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान की एक पंक्ति गलत तरीके से गाई गई।

यह घटना केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यालय में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान हुई। ध्वजारोहण के बाद, नेताओं ने एक साथ राष्ट्रगान गाया, और ऐसा लगा कि राष्ट्रगान की पहली पंक्ति गलत तरीके से गाई गई थी।

ए के एंटनी, वी एम सुधीरन, दीपा दास मुंशी, पी. रवि जैसे वरिष्ठ पार्टी नेता सेवा दल के स्वयंसेवकों के साथ वहां मौजूद थे। इस घटना से पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी क्योंकि गलत प्रस्तुति के दृश्य टीवी चैनलों पर प्रसारित किए गए थे। इस मामले पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। कांग्रेस पार्टी के स्थापना दिवस समारोह राज्य भर में आयोजित किए गए और पार्टी का ध्वज फहराया गया।

कांग्रेस नेता वेणुगोपाल क्या कर्नाटक के 'सुपर सीएम' हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यहां एक बेदखली विवाद के मद्देनजर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल पर प्रशासन में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए रविवार को सवाल किया कि क्या वह राज्य के ''सुपर सीएम'' हैं।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने कहा कि कर्नाटक सम्मान, स्वायत्तता और ईमानदार शासन का हकदार है, न कि उच्च कमान के ''नाटक'' का। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा, ''कर्नाटक राहुल गांधी और उनकी मंडली की कॉलोनी नहीं है।''

अशोक कोगिलु गांव में अनधिकृत निर्माणों को ध्वस्त करने के संबंध में वेणुगोपाल की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। वेणुगोपाल ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच पर कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से बात की है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''एआईसीसी (अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) ने गंभीर चिंता व्यक्त की है कि इस तरह की कार्रवाई बहुत अधिक सावधानी, संवेदनशीलता और करुणा के साथ की जानी चाहिए थी, जिसमें मानवीय प्रभाव को केंद्र में रखा जाना चाहिए था।''

वेणुगोपाल ने कहा, ''उन्होंने (मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने) आश्वासन दिया है कि वे प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करेंगे, शिकायतों के निवारण के लिए एक उचित तंत्र स्थापित करेंगे और प्रभावित लोगों के पुनर्वास और राहत सुनिश्चित करेंगे।'' वेणुगोपाल का बयान केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा अतिक्रमण-रोधी अभियान की आलोचना करने और इसे ''बुलडोजर राज का क्रूर सामान्यीकरण'' बताने के बाद आया। नेता प्रतिपक्ष अशोक ने सवाल किया, ''कर्नाटक के प्रशासन में दखल देने वाले केसी वेणुगोपाल कौन होते हैं? क्या वह कोई सुपर सीएम (मुख्यमंत्री) हैं, या क्या कांग्रेस आलाकमान मानता है कि चुनी हुई राज्य सरकारें दिल्ली के इशारों पर चलती हैं?'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक में संवैधानिक रूप से निर्वाचित मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल का शासन है, न कि एआईसीसी महासचिव का।

भाजपा नेता ने कहा कि किसी पार्टी की राय व्यक्त करना एक बात है, लेकिन राज्य सरकार पर नैतिक उपदेश देना और दबाव बनाने की रणनीति अपनाना ''स्पष्ट रूप से अपनी सीमा से बाहर जाना'' और संघवाद का अपमान है।

बेंगलूरु में नववर्ष समारोहों के दौरान 20,000 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे : परमेश्वर

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को कहा कि बेंगलूरु में नव वर्ष का शांतिपूर्ण जश्न सुनिश्चित करने के लिए लगभग 20,000 पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। प्राधिकारियों को शहर के विभिन्न हिस्सों में 10 लाख से अधिक लोगों के एकत्र होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए एहतियात बरती गई है कि जश्न समारोह शांतिपूर्ण और आनंददायक हो और उन्होंने लोगों विशेष रूप से युवाओं से ''जिम्मेदारी से उत्सव मनाने'' का आह्वान किया।

परमेश्वर ने कहा, ''पिछले साल नव वर्ष समारोह के लिए विभिन्न स्थानों पर लगभग सात-आठ लाख लोगों की भीड़ एकत्र हुई थी, इस साल 10 लाख से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा, ''हाल ही में दिल्ली में हुए विस्फोट को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है और आवश्यक निवारक उपाय किए जा रहे हैं तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।'' बार और रेस्तरां को शराब परोसने तथा अपनी गतिविधियों के संबंध में समय सीमा का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

केंद्र सरकार मनरेगा के मूल सिद्धांतों को 'कमजोर' कर रही : कांग्रेस नेता एंटनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए के एंटनी ने रविवार को केंद्र सरकार पर मनरेगा के मूल सिद्धांतों को ''कमजोर करने'' और धीरे-धीरे कार्यक्रम को समाप्त करने का आरोप लगाया।

एंटनी ने आरोप लगाया कि यह सामाजिक न्याय पर हमले का स्पष्ट प्रमाण है, और उन्होंने इस तरह के कदमों का गांधीवादी तरीकों से जोरदार विरोध करने का आह्वान किया। एंटनी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 141वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा कि देश की वर्तमान स्थिति कांग्रेस स्थापना दिवस मनाने के लिए अनुकूल नहीं है, तथा यह ऐसा समय है कि देशव्यापी स्तर पर जोरदार विरोध प्रदर्शन करने और भारत की रक्षा करने के लिए संघर्ष के गांधीवादी तरीकों पर विचार किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार गांधीजी की जगह गोडसे का महिमामंडन करने की कोशिश कर रही है और गांधीवादी मार्ग पर चलने के बजाय जनता को बांट रही है। एंटनी ने यह भी आरोप लगाया कि सावरकर को राष्ट्रीय नेता मानने वाली सरकार लोगों को मौलिक अधिकारों, स्वतंत्रता और समानता से वंचित कर रही है और संविधान को तार-तार कर रही है।

कोझिकोड में राजद पार्षद के घर में देशी बम पाया गया

कोझिकोड(केरल)/भाषा। वडकारा के पास अझियूर में रविवार को एक राजद पार्षद के घर के बरामदे में एक देशी बम पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना वडकारा प्रखंड पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव में पार्षद द्वारा कथित तौर पर संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के पक्ष में मतदान करने के बाद हुई, जिसके परिणामस्वरूप वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को सत्ता गंवानी पड़ी। पुलिस ने कहा कि विस्फोटक रविवार सुबह राजद पार्षद रजनी के घर के बरामदे में पाया गया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) एलडीएफ का घटक है, जिसने वडकारा प्रखंड पंचायत में आठ सीट जीतीं।

चूंकि यूडीएफ ने भी आठ सीट हासिल कीं, इसलिए प्रखंड पंचायत अध्यक्ष चुनने के लिए चुनाव हुआ। मतदान के दौरान, रजनी ने यूडीएफ उम्मीदवार को वोट दिया, जिससे एलडीएफ की हार हुई। बाद में, रजनी ने एलडीएफ नेताओं को सूचित किया कि उन्होंने गलती से यूडीएफ के पक्ष में अपना वोट डाल दिया था। पुलिस के मुताबिक सुबह करीब 6.30 बजे पार्षद के घर के बरामदे में देशी बम देखा गया। घर के एक कार्यालय कक्ष की खिड़की का शीशा भी क्षतिग्रस्त पाया गया। रजनी के दामाद की शिकायत के आधार पर, चोम्बाला पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। प्राथमिकी में कहा गया है कि मतदान से संबंधित घटना के बाद इलाके में तनाव व्याप्त था। पुलिस ने कहा कि विस्फोटक को बम निरोधक दस्ता द्वारा बरामद किया गया था। पुलिस ने बताया कि जांच के तहत इलाके के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

पलक्कड से लापता लड़के का शव गांव के तालाब में मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड(केरल)/भाषा। उत्तरी केरल के पलक्कड जिले से लापता हुए छह वर्षीय लड़के का शव रविवार सुबह गांव के एक तालाब में मिला।

पुलिस ने बताया कि सुहान शनिवार की दोपहर लापता हो गया था और सूचना मिलने पर पुलिस और अग्निशमन बल के कर्मियों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान खोजी कुत्तों की भी मदद ली गई। चित्तूर पुलिस ने बताया सुहान दिव्यांग था और भाई के साथ झगड़ा होने के बाद घर से बाहर निकला था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शनिवार रात को तलाशी अभियान अंधेरा होने की वजह से रोक दिया गया था। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह तलाशी अभियान दोबारा शुरू किया गया और सुहान का शव तलाब में मिला।

सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने सुहान की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

कोझिकोड में पति के हमले में घायल हुई महिला ने दम तोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। कोझिकोड में इस सप्ताह की शुरुआत में पति के हमले में घायल हुई महिला ने रविवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि महिला की पहचान फारूक के पांडीसाला रोड निवासी मुनीरा एम के (32) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी व्यक्ति ने 24 दिसंबर को पूर्वाह्न करीब 9:40 बजे घटना को अंजाम दिया था। मुनीरा के कथित तौर पर पैसे देने से इनकार करने कर दिया था जिससे क्षुब्ध होकर अब्दुल जब्बार ने उस पर एक धारदार हथियार से हमला कर दिया था। उसने बताया कि इस हमले में महिला के सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद मुनीरा को तुरंत कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी जब्बार को घटना के बाद तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था। अधिकारी ने बताया कि जब्बार को नशे की लत है और उसने पहले भी मुनीरा पर हमले किए थे। पुलिस ने बताया कि जब्बार के खिलाफ 24 दिसंबर को हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था।

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600 038

निम्नलिखित ई-टेंडर आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित किए गए हैं। कंपनियों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करके टेंडर के लिए बोली लगाएं। इस टेंडर के लिए मैन्युअल बोली स्वीकार नहीं की जाएगी।

खुली निविदा संख्या	वस्तु का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (₹)
2025499212069	रेलवे यात्री डिब्बों में एल्युमिनियम कम्पोजिट पैनल और मोल्डिंग की स्थापना के लिए कार्य अनुबंध	1,47,61,800/-
2025499212070	एलएचबी डिब्बों में पैनलिंग और संबंधित कार्यों के लिए कार्य अनुबंध	1,89,02,841.05/-

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	21.01.2026, दोपहर 14:45 बजे
निविदा खोलने की तिथि	21.01.2026, दोपहर 15:00 बजे

उपरोक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण https://icf.indianrailways.gov.in/ पर उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/फर-III

‘मन की बात’ देश की उपलब्धियों पर गर्व करने का अवसर : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुरे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ‘मन की बात’ कार्यक्रम की 129वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। वर्ष 2025 में इस कार्यक्रम की यह अंतिम कड़ी थी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वर्ष 2025 में देश को विभिन्न क्षेत्रों में मिली उपलब्धियों और सफलताओं का जिक्र करते हुए उम्मीद जताई कि वर्ष 2026 विकसित भारत के संकल्प की सिद्धी में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश ने वर्ष 2025 में अंतरिक्ष, विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन और अयोध्या मंदिर में ऐतिहासिक ध्वजारोहण ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया। वर्ष 2026 में देश नई उम्मीदों और संकल्पों के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया को भारत से बहुत आशाएं हैं। युवा अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मक सुझावों से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 का आयोजन किया जाएगा, जो युवाओं के लिए अपने सुझाव साझा करने का महत्वपूर्ण मंच होगा। मोदी ने तकनीकी युग में लोगों की जिंदगी में तेजी से आ रहे बदलाव के बारे में चर्चा करते हुए स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन-2025 में युवाओं की उत्साहपूर्वक भागीदारी के बारे में बताया। इसके साथ ही, उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में आयोजित होने वाले गीतांजलि आईआईएससी कार्यक्रम की भी बात की। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में मणिपुर में सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली समस्या के समाधान, बांस से तैयार हैंडीक्राफ्ट उत्पादों तथा फूलों की खेती के माध्यम से महिलाओं के आत्मनिर्भर होने की भी चर्चा की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और कच्छ रणोत्सव का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले माह देश 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। देश की आजादी में अनेकों लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन उन्हें वह सम्मान नहीं मिल पाया जो उन्हें मिलना चाहिए था। ओडिशा की पार्वती गिरि ऐसी ही एक स्वतंत्रता सेनानी थी, जिन्होंने आजादी आंदोलन में हिस्सा लेने के साथ ही अनाथालयों की स्थापना के माध्यम से समाज सेवा भी की।

मोदी ने भारतीय भाषाओं के देश-दुनिया में हो रहे प्रचार-प्रसार के बारे में बताते हुए कहा कि दुबई में कन्नड़ परिवारों द्वारा कन्नड़ पाठशाला की शुरूआत तथा फिजी के विद्यालय में तमिल दिवस मनाने की शुरूआत इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि देश में भी काशी तमिल संगमम जैसे आयोजनों के माध्यम से हिंदी भाषी राज्यों के बच्चों को अन्य भाषाएं सिखाई जा रही है, जिससे उत्तर प्रदेश के बच्चे भी सरलता से तमिल बोल पा रहे हैं। मोदी ने निमोनिया जैसी बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर साबित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए चिकित्सकीय परामर्श के बिना इनके इस्तेमाल से बचने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने व्यायाम को दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल कर सेहतमंद रहने पर भी जोर दिया। इस दौरान विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

‘ई-स्वास्थ्य संवाद’ डिजिटल मंच शुरू, हर स्तर तक विभागीय समन्वय होगा मजबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर तकनीकी नवाचारों के माध्यम से सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सुशासन, पारदर्शिता एवं प्रशासनिक दक्षता को बेहतर करने की दिशा में अभिनव पहल करते हुए डिजिटल संवाद मंच ‘ई-स्वास्थ्य संवाद’ शुरू किया है। यह मंच चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी हितधारकों के लिए एक समर्पित, प्रभावी और संवादपरक ई-मीटिंग ईकोसिस्टम के रूप में कार्य करेगा। इससे निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक विभागीय समन्वय मजबूत होगा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित की जा सकेगी।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि स्वास्थ्य जनजन से जुड़ी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषय है। विभाग का कामकाज बेहतर समन्वय और दक्षता के साथ हो सके। इस सोच के साथ ‘ई-स्वास्थ्य संवाद’ जैसी पहल की गई है।

इसके माध्यम से चिकित्सा शिक्षा विभाग, राज-मेस के अधिकारी, सरकारी मेडिकल, नर्सिंग एवं डेंटल कॉलेजों के प्राचार्य, चिकित्सा अधीक्षक, पीएमओ, विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य, चिकित्सक, नर्सिंग एवं अन्य स्टाफ, छात्र तथा आमजनसभी को त्वरित, पारदर्शी और समाधान-उन्मुख संवाद का सशक्त मंच प्राप्त होगा।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल ने बताया कि यह डिजिटल संवाद मंच प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जिससे विभागीय समन्वय और निर्णय प्रक्रिया को नई गति मिलेगी। यह संवाद दो चरणों में होगा। प्रथम चरण में शाम 5:00 बजे प्राचार्य, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, पीएमओ एवं विभागाध्यक्षों के साथ संवाद होगा। द्वितीय चरण में शाम 6:00 बजे से मेडिकल कॉलेजों, संबद्ध अस्पतालों की फैकल्टी, डॉक्टर्स, नर्सिंग व अन्य स्टाफ, छात्र एवं आमजन के साथ खुला संवाद होगा। सुशासन दिवस पर प्रारंभ किए गए इस नवाचार को पहले ही दिन जबरदस्त समर्थन मिला। 150 से अधिक लोकेशन से अधिकारियों, चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों ने आनलाइन संवाद किया।

बजट घोषणाओं एवं मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी दिशानिर्देश, संपर्क पोर्टल, सीएमआईएस, मेडलीपआर, सीपी-ग्राम्स सहित विभिन्न माध्यमों पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण, स्वास्थ्य योजनाओं एवं पहलों का समयबद्ध क्रियान्वयन, नवाचार को प्रोत्साहन तथा कॉलेजों व अस्पतालों की दैनिक समस्याओं का समाधान, नए मेडिकल व नर्सिंग कॉलेजों सहित अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा तथा मशीनरी एवं उपकरणों की खरीद सहित प्रशासनिक एवं वित्तीय विषयों पर इस डिजिटल संवाद में चर्चा की जाएगी।

पूजा

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े रविवार को चित्तौड़गढ़ के सांवलिया सेठ मंदिर पहुँचे। उन्होंने वहाँ सांवलिया सेठ के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की।राज्यपाल ने सांवलिया सेठ से प्रदेश की सम्पन्नता और खुशहाली की कामना की।

प्रदेश सरकार राजस्थान के सतत् एवं समावेशी विकास के लिए कटिबद्ध : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर जिले के बाबा रामदेव मंदिर नांदड़ी में बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत अटल प्रगति पथ सहित 634.52 लाख रूपये के सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार राजस्थान के सतत एवं समावेशी विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा 2 वर्ष के कार्यकाल में राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास, सड़क निर्माण और शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास कार्य करवाए है।

पटेल ने कहा नांदड़ी का विकास मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नांदड़ी अब नगर निगम क्षेत्र में शामिल हो गई है, जिससे आमजन को नगरीय सुविधाएं प्राप्त होगी। क्षेत्र में सड़क, सीवरेज और स्ट्रीट लाइट से संबंधित कार्य चरणबद्ध रूप से करवाए जाएंगे। पटेल ने कहा नांदड़ी में जोधपुर विकास प्राधिकरण के माध्यम से लगभग 8 करोड़ रूपये की लागत से 9 सड़कें स्वीकृत करवाई गई।

क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या के समाधान के लिए आरटीओ नाला निर्माण कार्य तय समयावधि में पूर्ण होगा। विधि मंत्री ने कहा नांदड़ी में समुचित पेयजल आपूर्ति के लिए संपूर्ण क्षेत्र को जोन में बांट कर नई पाइप लाइन और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को बदलने कार्य चरणबद्ध रूप से करवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, जिसकी जांच चल रही है। जांच उपरांत जल जीवन मिशन के कार्य भी पूरे करवाए जायेंगे।

जयपुर संभाग के कुछ इलाकों में शीतलहर, फतेहपुर में तापमान 2.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज

जयपुर। राजस्थान में रविवार को मौसम शुष्क रहा, जबकि जयपुर संभाग के कुछ इलाकों में शीतलहर दर्ज की गई। यह जानकारी यहां मौसम कार्यालय ने दी। विभाग के अनुसार, राज्य का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज किया गया, जबकि सीकर जिले के फतेहपुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। विभाग के अनुसार, करौली में न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस, सीकर में 3.5 डिग्री सेल्सियस, पाली में 3.6 डिग्री सेल्सियस और दौसा में 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी जयपुर में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने बताया कि मौसम में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन राज्य के कुछ हिस्सों, विशेषकर उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में शीतलहर का दौर जारी है। विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में राजस्थानभर में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है।

मप्र से लाई गई बाघिन को रामगढ़ विषधारी जंगल में छोड़ा गया

कोटा। मध्यप्रदेश के पेंच बाघ अभयारण्य रिजर्व से लाई गई एक बाघिन (पीएन-224) को रविवार को राजस्थान के बूंदी जिले स्थित रामगढ़ विषधारी बाघ अभयारण्य में छोड़ दिया गया। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह प्रक्रिया ‘इंटर-स्टेट टाइगर रिइंट्रोडक्शन प्रोग्राम’ का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित अनुकूलन प्रक्रिया के तहत बाघिन को 22 दिसंबर से बजलिया क्षेत्र में एक बाड़े में रखा गया था। अनुकूलन अवधि पूरी होने के बाद उसे जंगल में स्वतंत्र विचरण के लिए छोड़ा गया। कोटा स्थित मुकुंदरा हिल्स बाघ अभयारण्य (एमएचटीआर) के मुख्य वन संरक्षक एवं परियोजना निदेशक सुगनाराम जाट ने ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया कि बाड़े का द्वार शनिवार दोपहर खोला गया, जिसके बाद बाघिन स्वेच्छा से बाहर निकली और रविवार सुबह जंगल में प्रवेश कर गई। उन्होंने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के प्रोटोकॉल के अनुसार वरिष्ठ वन अधिकारियों की मौजूदगी में की गई। इस दौरान पशु चिकित्सकों, क्षेत्रीय जीवविज्ञानी और अग्रिम पंक्ति के प्रशिक्षित कर्मचारियों की निगरानी टीमें तैनात रहीं। जाट ने कहा कि बाघिन की गतिविधियों, स्वास्थ्य आदि पर नजर रखने के लिए नियमित निगरानी की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, पीएन-224 को 21 दिसंबर को भारतीय वायुसेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर से पेंच बाघ अभयारण्य से जयपुर लाया गया था, जिसके बाद उसे सड़क मार्ग से रामगढ़ विषधारी बाघ अभयारण्य पहुंचाया गया।

रणथंभोर के छाण वन क्षेत्र में मृत अवस्था में मिला पैंथर, वन विभाग ने करवाया पोस्मार्टम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। रणथंभौर नेशनल पार्क के छाण वन क्षेत्र में आज वन विभाग के कर्मचारियों को मृत अवस्था में एक पैंथर नजर आया। जिसके बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना के बाद वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची जहां छाण वन क्षेत्र ने एक पैंथर मृत अवस्था में पाया गया। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने मृत पैंथर को सवाई माधोपुर राजबाग नाका चौकी पर पहुंचवाया, जहां मृत पैंथर का वन विभाग के चिकित्सक द्वारा पोस्मार्टम कर अंतिम संस्कार की कार्यवाही की गई। वन विभाग के रेंजर अश्विनी सिंह ने बताया कि आज सुबह सूचना मिली कि छाण वन क्षेत्र में एक पैंथर के मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली। वन विभाग के रेंजर ने बताया कि सूचना के बाद वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पैंथर के शव को लेकर राजबाग नाका वन विभाग की चौकी पर पहुंचे जहां मृत पैंथर का मेडिकल बोर्ड के द्वारा पोस्मार्टम किया गया।

वही, वन विभाग के पशु चिकित्सक डॉक्टर सी पी मीणा ने बताया कि यह एक मेल एडल्ट पैंथर है, जिसकी उम्र 3 साल से अधिक है। उसका शव आज छाण वन क्षेत्र में मिला हे । डॉक्टर सी पी मीणा ने बताया कि मृत पैंथर का मेडिकल बोर्ड टीम के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया।

डॉक्टर ने बताया कि पैंथर के शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड के द्वारा किया गया। डॉक्टर का कहना हे कि पोस्टमार्टम के दौरान पैंथर की मौत के कारण का पता नहीं चल सका है। पशुचिकित्सक ने बताया कि पैंथर की मौत का कारण लेब की रिपोर्ट आने के बाद चल सकेगा। हालांकि, प्राथमिक रूप से पैंथर की मौत का कारण कोल्ड शोक भी हो सकती है लेकिन रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। उन्होंने कहा कि मृत पैंथर के शव का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

कांग्रेस देश के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली राष्ट्रवादी पार्टी रही है : डोटासरा

जयपुर/दक्षिण भारत । कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने पार्टी का झंडा फहराकर प्रदेशभर में आयोजित होने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यालय में विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सी. पी. जोशी और कांग्रेस नेता सुनील शर्मा ने कांग्रेस की विचारधारा, इतिहास और वर्तमान चुनौतियों पर अपने विचार रखे। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस देश के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली राष्ट्रवादी पार्टी रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के महान नेताओं ने संघर्ष और बलिदान के जरिए देश को आज़ादी दिलाई, लेकिन आज केंद्र की सत्ता पर ऐसी ताकतें काबिज हैं जो सरकारी शक्तियों का दुरुपयोग कर आम नागरिक की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा रही हैं। डोटासरा ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र तो है, लेकिन आम व्यक्ति यह सोचने को मजबूर है कि क्या वह आज़ादी से अपने विचार व्यक्त कर सकता है। जिस आज़ादी और लोकतंत्र की कल्पना महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी, उस पर केंद्र सरकार द्वारा लगातार प्रहार किया जा रहा है।

स्वयं सहायता समूहों की सशक्त पहचान बना सरस राजसखी मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर में 18 दिसंबर से 4 जनवरी 2026 तक आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025, अपनी भावपूर्ण थीम भारत एक सूत्रधार के साथ देश की सांस्कृतिक एकता और विविधता का भव्य उत्सव प्रस्तुत कर रहा है। इस मेले में भारत के विभिन्न राज्यों की विशिष्ट टेक्सटाइल परंपराएँ, लोक हस्तशिल्प और सांस्कृतिक कलाएँ एक ही मंच पर जीवंत रूप में दिखाई दे रही हैं। माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान भजनलाल शर्मा के कर कमलों द्वारा मेले के उद्घाटन के उपरांत मंत्रीगण, विधायकगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण भी इस मेले में पधार रहे हैं एवं महिलाओं का मनोबल बढ़ाते हुए मेले की सरहाना कर रहे हैं। मेले की लोकप्रियता का अंदाजा इसके फुटफॉल से लगाया जा सकता है, अब तक 1 लाख़ से अधिक आगंतुक मेले का आनंद ले चुके हैं और आने वाले सप्ताह में यह संख्या और बढ़ने की संभावना है। मेले में देशभर से 350 से अधिक स्वयं सहायता समूह भाग ले रहे हैं, जिन्होंने 2,000 से अधिक प्रकार के हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित और बिक्री के लिए उपलब्ध कराए हैं। स्टॉल्स पर गोटा-पट्टी, ज़री, लहरिया, बंधेज, अजरक, ब्लॉक प्रिंट, कांथा वर्क, टसर सिल्क, पश्मीना और ऊनी वस्त्रों की मनमोहक छटा देखने को मिलती है, जिनमें कुर्तियाँ, घाघरे, लहंगे, साड़ियाँ, सूट, दुपट्टे, बेडशीट, तकिए और सोफा कवर शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में अभिनेता जीत के कार्यक्रम के दौरान अफरा-तफरी, कई घायल

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के बिष्णुपुर मेले में लोकप्रिय बंगाली अभिनेता जीत के एक कार्यक्रम के दौरान अफरा–तफरी मचने से भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार रात करीब आठ बजे उस समय की है जब अभिनेता को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मेले में उमड़ पड़े। भारी भीड़ के कारण कई लोग मेले के मैदान से बाहर निकलकर आसपास की सड़कों पर फैल गए। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''कई आगंतुक आयोजन स्थल में प्रवेश नहीं कर पाए, जिसके चलते धक्का–मुक्की शुरू हो गई और स्थिति कुछ समय के लिए नियंत्रण से बाहर हो गई।''

धर्मांतरण गिरोहों को नेस्तनाबूद करने के लिए एआई का इस्तेमाल करे पुलिस : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि विदेश से वित्तपोषित किए जा रहे धर्मांतरण गिरोहों को नेस्तनाबूद करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) की प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'पुलिस मंथन' वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन–2025 के दूसरे दिन रविवार को समापन अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को विशेष रूप से सोशल मीडिया और साइबर अपराध पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से लगती सीमाओं पर आतंकवादी गतिविधियों के नए आयामों का गहन विश्लेषण करने और निगरानी मजबूत करने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने धर्मांतरण को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि बलरामपुर जैसी घटनाएं इंगित करती हैं कि ऐसे प्रयास संगठित रूप से किए जा रहे हैं। उन्होंने ''अंतरराष्ट्रीय अनुदानित धर्मांतरण गिरोह'' की रोकथाम के लिए कृत्रिम मेधा, वित्तीय लेनदेन, तकनीकी विश्लेषण एवं आधुनिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग को और मजबूत करने के निर्देश दिए।

योगी ने सोशल मीडिया पर कानून–व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द्र प्रभावित करने वालों के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति अपनाने को कहा। उन्होंने गो–तस्करी और धर्मांतरण के लिए चलाए जा रहे संगठित गिरोह पर सख्त कार्रवाई करने को कहा।

योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग, दुष्प्रचार, 'डीपफेक', 'डार्कवेब', साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस एवं खुफिया तंत्र को निर्देश दिया कि सोशल मीडिया पर कानून–व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द्र को प्रभावित करने वाले किसी भी आपत्तिजनक सामग्री पर तत्काल संज्ञान लेकर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जाति या धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने, पुलिस पर दबाव बनाने अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कुछ असामाजिक तत्व महापुरुषों के नाम का दुरुपयोग कर नए–नए संगठन बनाकर अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा शासन के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को केंद्रीकृत कर रही : के राजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। कांग्रेस में झारखंड मामलों के प्रभारी के. राजू ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा देश चलाने के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का केंद्रीकरण कर रही है। उन्होंने यह टिप्पणी यहां कांग्रेस भवन में पार्टी के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर कांग्रेस का झंडा फहराने के बाद की।

इस अवसर पर राजू ने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ मिलकर 'झारखंड कांग्रेस संवाद स्थापना दिवस विशेषांक' नामक पुस्तिका का विमोचन किया।

राजू ने कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस को भव्य तरीके से मनाने का कारण लोगों को पार्टी के इतिहास, मूल्यों और योगदानों के बारे में जागरूक करना है, क्योंकि भाजपा देश चलाने के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को केंद्रीकृत कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''आप सभी जानते हैं कि पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राज्यों या अपनी पार्टी के सांसदों से परामर्श किए बिना मनरेगा को निरस्त कर विकसित भारत जी रामजी लागू करने का निर्णय लिया।''

राजू ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता राज्य भर की 4,500 ग्राम पंचायतों में कांग्रेस स्थापना दिवस मनाने के लिए बैठकें आयोजित कर रहे हैं।

आरएसएस से सीखने के लिए कुछ नहीं : शकील अहमद खान

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय ध्वज का विरोध करने और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग नहीं लेने वाले राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) से सीखने लायक कुछ नहीं है। खान, दिग्विजय सिंह के एक बयान पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। दिग्विजय ने इस बात पर जोर दिया था कि कांग्रेस को आरएसएस की संगठनात्मक क्षमता से सीखना चाहिए।

खान ने कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पटना के सदाकत आश्रम से गांधी मैदान तक निकाली गई पार्टी की पदयात्रा के दौरान पत्रकारों से कहा, हमें आरएसएस से क्या सीखना चाहिए? उन्होंने 52 वर्षों तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया और 1948 में तिरंगे के खिलाफ बयान जारी किए। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग नहीं लिया था। कांग्रेस नेता ने कहा, वे 1942 के आंदोलन में भाग लेने में असफल रहे। सावरकर ने जेल से छूटने के लिए अंग्रेजों से माफी मांगी। उन्होंने पूछा, क्या हमें आरएसएस से ये बातें सीखनी चाहिए? खान ने कहा कि दिग्विजय सिंह की टिप्पणी व्यक्तिगत स्तर पर थी और उन्हें अपनी राय रखने की पूरी आजादी है।

भाजपा का शासन 'स्थायी नहीं' है : कांग्रेस नेता

इंफाल/भाषा। मणिपुर में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता ओकराम इबोबी सिंह ने रविवार को कहा कि देश और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का शासन ''स्थायी नहीं'' है और दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के मजबूत होने पर ही शांति स्थापित हो सकेगी। कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर सिंह ने कहा, भाजपा स्थायी नहीं है। वे कब तक शासन करेंगे? देखते हैं वे कब तक शासन करते रहेंगे। फिलहाल चुनावों का इंतजार करते हैं।

ओकराम इबोबी सिंह तीन बार मणिपुर के मुख्यमंत्री रहे हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों में कई विभाग निष्क्रिय हो गए हैं और राज्य की वित्तीय स्थिति लगभग चरमरा गई है। उन्होंने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि जब कांग्रेस केंद्र और राज्य में सत्ता में आएगी, तभी एक प्रगतिशील सरकार बन सकती है जिसमें लोग सद्भाव से रह सकेंगे। जब कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी, तभी शांति और सहअस्तित्व संभव हो पाएगा।''

इस अवसर पर कांग्रेस की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष के. मेघचंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस सदस्य के लिए पार्टी की विचारधारा और अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार राज्य में शांति और विकास ला सकती है।

दिग्विजय सिंह के विचारों का थरूर ने किया समर्थन, कहा- संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को आयोजित पार्टी के 140वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान शशि थरूर ने अपने पार्टी सहयोगी दिग्विजय सिंह के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान थरूर, पार्टी के इंदिरा भवन मुख्यालय में दिग्विजय सिंह के बगल में बैठे थे और वरिष्ठ नेता के साथ विचारों का आदान–प्रदान किया।

दिग्विजय सिंह ने शनिवार को उस समय राजनीतिक हलचल मचा दी थी, जब उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा की संगठनात्मक ताकत की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए कहा था कि किस तरह एक जमीनी कार्यकर्ता अपने नेताओं के चरणों में बैठकर सीखता हुआ मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का मुद्दा भी उठाया और कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबले और उसे सत्ता से हटाने के लिए यह बेहद जरूरी है। बयान पर विवाद होने के एक दिन बाद दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्होंने जो कहना था कह दिया है। उन्होंने कहा, ''मैं 50 वर्षों से कांग्रेस पार्टी के साथ हूं और मैंने इन सांप्रदायिक ताकतों से विधानसभा, संसद या संगठन में लड़ाई लड़ी है।'' सिंह ने दावा किया, ''मेरी उनसे बुनियादी असहमति है और मैं उनकी विचारधारा का विरोध करता हूं। मैंने ऐसे लोगों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ता रहूंगा।''

बिहार के जमुई में मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतरे, रेल यातायात बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/कोलकाता/भाषा। बिहार के जमुई जिले में एक मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण हावड़ा–पटना–दिल्ली रेल मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की अब तक कोई सूचना नहीं है। पूर्व रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना शनिवार रात करीब 11 बजकर 25 मिनट पर पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल अंतर्गत लाहाबन और सिमुलतला रेलवे स्टेशन के बीच हुई। इसके कारण करीब 24 ट्रेन का परिचालन प्रभावित हुआ, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि आसनसोल, मधुपुर और झाझा स्टेशनों से दुर्घटना राहत ट्रेन घटनास्थल पर भेजी गई हैं। उन्होंने बताया कि पटरियों से क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने और रेल यातायात को बहाल करने के लिए कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। पूर्व रेलवे के अधिकारी ने बताया कि मालगाड़ी के डिब्बों के पटरी से उतरने से मार्ग अवरुद्ध होने के कारण कई एक्सप्रेस और अन्य यात्री ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है और कई को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि 12369 हावड़ादेहरादून कुंभ एक्सप्रेस, 13105 सियालदहबलिया एक्सप्रेस, 13030 मोकामा हावड़ा एक्सप्रेस और कई मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा कई एक्सप्रेस ट्रेनों को धनबादगया सहित अन्य मार्गों से निकाला जा रहा है।

जीवन के सभी क्षेत्रों से महात्मा गांधी का नाम मिटाने की साजिश रची जा रही है : भक्त चरण दास

भुवनेश्वर/भाषा। कांग्रेस की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने रविवार को आरोप लगाया कि महात्मा गांधी का नाम जीवन के सभी क्षेत्रों से मिटाने की साजिश रची जा रही है। दास ने कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए किसी का नाम लिए बिना यह टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया, वैसे तो कई पूर्व प्रधानमंत्रियों ने महात्मा गांधी के आदर्शों और नाम को कायम रखा है, लेकिन अब संविधान को खतरा है और महात्मा गांधी का नाम जीवन के सभी क्षेत्रों से मिटाने की साजिश रची जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी इस प्रयास को विफल कर देगी और देश की जनता के लिए काम करना जारी रखेगी। उन्होंने कांग्रेस को मजबूत करने के लिए सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से सहयोग मांगा। उन्होंने कहा, ''आज जब देश गंभीर समस्याओं और लोकतांत्रिक संकट का सामना कर रहा है, तब कांग्रेस जनता की आवाज बनकर खड़ी है।'' दास ने कहा कि वह कांग्रेस के हर उस कार्यकर्ता को सलाम करते हैं, जिनके साहस, बलिदान और अटूट प्रतिबद्धता ने पार्टी के आदर्शों को जीवित रखा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा,आपकी वजह से ही यह पार्टी इतनी मजबूत है। मैं उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी नमन करता हूं, जिन्होंने कांग्रेस की नींव रखी और भारत को स्वतंत्रता दिलाई। उन्होंने कहा, 1885 में स्थापित कांग्रेस ने भारत के लोकतंत्र और संविधान को आकार दिया । आज जब ये मूल्य खतरे में हैं, हम जनता के साथ मजबूती से खड़े हैं। न्याय और लोकतंत्र की लड़ाई जारी रहेगी।

राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री ने वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन के दूसरे चरण को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को रांची से वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन के दूसरे चरण को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस साइक्लोथॉन का उद्देश्य आदिवासी नायक की विरासत का सम्मान करना और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। 'शौर्य के कदम, क्रांति की ओर' की थीम के तहत आयोजित यह साइक्लोथॉन अगले 20 दिनों में 1,300 किलोमीटर की दूरी तय करके दिल्ली पहुंचेगी। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने बिरसा मुंडा संग्रहालय स्मारक पार्क में आदिवासी नायक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने इस अवसर पर वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''बिरसा मुंडा न केवल आदिवासी समाज के नायक हैं, बल्कि अन्याय, शोषण और औपनिवेशिक उत्पीड़न के विरुद्ध भारतीय गौरव और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। मातृभूमि, संस्कृति और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सभी को प्रेरित करती है।'' उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित साइक्लोथॉन न केवल एक अभियान है, बल्कि देशभक्ति, युवा शक्ति, साहस और आदिवासी गौरव का एक सशक्त प्रतीक भी है।

एक अधिकारी ने बताया कि लड़कियों सहित 16 एनसीसी कैडेट वाली यह साइक्लोथॉन हजारीबाग, औरंगाबाद और पलवल से होकर गुजरेगी और एकता, साहस और सांस्कृतिक गौरव का संदेश देगी। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद, वाराणसी और प्रयागराज में रात्रि ठहराव के दौरान, बिरसा मुंडा के जीवन और संदेशों को उजागर करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विवाहेतर संबंध के आरोप में महिला की ग्रामीणों ने पिटाई की, जूतों की माला पहनाई

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के धलाई जिले में विवाहेतर संबंध रखने के आरोप में ग्रामीणों ने एक महिला की पिटाई कर दी और उसे जूते की माला पहनने को मजबूर किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह कमलपुर थाना क्षेत्र के हररखोला गांव में ग्रामीणों के एक समूह ने महिला को उसके घर से घसीटकर बाहर निकाला और उसकी पिटाई की। पीड़िता दो बेटों की मां है।

पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों ने महिला को जूतों की माला पहनने के लिए भी मजबूर किया।

एक अधिकारी ने बताया, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाया कि महिला सड़क पर पड़ी हुई थी। बाद में उसे अम्बासा स्थित जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका सीटी स्कैन किया गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। उन्होंने बताया कि शनिवार को कमलपुर थाना में कुछ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

नया साल भारतीय महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लेकर आयेगा : ड्रैग फ्लिकर दीपिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह साल मैदान के भीतर और बाहर भले ही अच्छा नहीं रहा हो लेकिन हॉकी इंडिया लीग के जरिये पांच महीने बाद मैदान पर वापसी को तैयार ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत का मानना है कि नए साल में चीजें अच्छे के लिए बदलेंगी ।

अगस्त में एशिया कप के लिए रवानगी से एक दिन पहले आखिरी अभ्यास सत्र में पैर फिसलने के कारण टीम से बाहर हुई दीपिका ने स्वीकार किया कि बीते साल टीम अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई लेकिन यह भी कहा कि नया साल नई उम्मीदें लेकर आयेगा । हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी कर रही 22 वर्ष की इस फॉरवर्ड ने भाषा से खास बातचीत में कहा ,'' नए साल में नई चीजें शुरू होंगी तो काफी कुछ बदलेगा । अगला साल काफी अहम है जिसमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना सबसे पहली चुनौती है और 2026 में एशियाई खेल भी हैं ।''

प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहने के अलावा एशिया कप के फाइनल में चीन से 1 . 4 से हारकर भारतीय महिला टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल अगस्त में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मौका गंवा दिया । अब उसे मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलना है जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और आस्ट्रिया भी भाग लेंगे और शीर्ष तीन टीमें विश्व कप का टिकट कटायेंगी ।

वर्ष 2025 में हॉकी इंडिया के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाली दीपिका ने कहा ,'' हॉकी से दूर ये पांच महीने मेरे लिए बहुत कठिन थे । मुझे गुस्सा आता था और मैं रोती थी कि टीम से बाहर क्यो हूं क्योंकि एशिया कप के लिए मेरी तैयारी अच्छी थी । अब पूरी तरह फिट होकर वापसी कर रही हूं और अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़नी है ।'' उन्होंने कहा ,'' हमें दिखाना है कि भारत की महिला हॉकी टीम भी किसी से कम नहीं है। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला हॉकी का ग्राफ जो ऊपर गया था , उसे फिर लौटाना है । पिछला साल अच्छा नहीं रहा लेकिन अगला साल नई सुबह लेकर आयेगा ।'' भुवनेश्वर में 2022 में एफआईएच प्रो लीग के जरिये सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली इस खिलाड़ी ने कहा कि गलतियों का दोहराव टीम के खराब प्रदर्शन का कारण रहा और बेहतर संवाद भी जरूरी था । उन्होंने कहा ,'' बार बार हो रही गलतियों को सुधारने पर अधिक फोकस करना चाहिए था। प्रो लीग से जिन गलतियों के कारण बाहर हुए, एशिया कप में वही दोहराते दिखे । टीम के भीतर संवाद बेहतर होना चाहिए था ।'' दीपिका ने यह भी कहा कि एक खिलाड़ी के लिए शारीरिक के साथ मानसिक फिटनेस भी बहुत जरूरी है और एचआईएल में उनकी टीम एसजी पाइपर्स ने इसमें उनकी काफी मदद की ।

टाटा ओपन जीतकर 2025 में रिकॉर्ड सातवां खिताब अपने नाम किया युवराज संधू ने

जमशेदपुर/भाषा। युवराज संधू ने रविवार को यहां टाटा ओपन 2025 गोल्फ टूर्नामेंट में एक स्ट्रोक की जीत के साथ पीजीटीआई में एक ही सत्र में सबसे ज्यादा सात खिताब जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। अठाईस साल के संधू (67–64–68–65) बीती रात संयुक्त बढ़त पर थे। उन्होंने आखिरी दौर में छह–अंडर 65 का कार्ड खेला जिसमें आखिरी होल पर जीत दिलाने वाली बर्डी शामिल थी। उन्होंने पीजीटीआई सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में कुल 20–अंडर 264 का स्कोर किया। चंडीगढ़ के रहने वाले संधू ने दो हफ्ते पहले सत्र की अपनी छठी जीत के बाद 2025 पीजीटीआई 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' का ताज पहले ही हासिल कर लिया था। संधू ने दिल्ली में उस खिताब के साथ 2022 से मनु गंडास के एक सत्र में छह खिताब के पिछले रिकॉर्ड की बराबरी की थी। उन्होंने पीजीटीआई रैंकिंग में शीर्ष पर रहकर 2026 के लिए डीपी वर्ल्ड टूर का कार्ड हासिल कर लिया है। इक्कीस साल के शुभम जगलान (68–66–65–66) बीती रात संधू के साथ संयुक्त बढ़त बनाए थे। उन्होंने चौथे दौर में बोगी मुक्त पांच–अंडर 66 का स्कोर किया। इससे उन्होंने कुल 19–अंडर 265 का स्कोर बनाया और पीजीटीआई में अपने तीसरे ही टूर्नामेंट में दूसरी बार उप विजेता रहे।

नेट अभ्यास के दौरान मुश्किल नेट पिच पर अभिषेक ने दिखाया जलवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा यहां रविवार की सुबह अपने नेट सत्र के लगभग 10 मिनट बाद रुके और टीम के अपने साथी खिलाड़ी गौरव चौधरी की ओर मुड़े और एक सवाल पूछा जिससे उनके इरादे और कल्पना का पता चलता है। उन्होंने पूछा, ''क्षेत्ररक्षण कैसा है।''

अभिषेक ने यह सवाल काल्पनिक क्षेत्ररक्षकों के बारे में पूछा। ऑफ स्पिनर चौधरी ने तुरंत जवाब दिया, ''मिड ऑफ पर एक रन बचाने के लिए रखा है।'' इसके बाद जो हुआ वह अनुमानित लेकिन रोमांचक था। अभिषेक ने अपने चिरपरिचित अंदाज में बल्ला घुमाया और गेंद को मैदान से बाहर भेज दिया। दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज ने लगभग एक घंटे अभ्यास किया और इस दौरान डिफेंस को कोई तवज्जो नहीं दी। उन्होंने जयपुर शहर की सीमा से थोड़ी दूर खेत की जमीन पर बने खूबसूरत अनंतम क्रिकेट ग्राउंड पर कम से कम 45 छक्के लगाए।

यह एक विशेष बल्लेबाजी सत्र जैसा लग रहा था जहां अभिषेक सिर्फ स्पिनरों का सामना करना चाहते थे। एक ऐसी पिच पर ऑफ स्पिनर, लेग स्पिन और बाएं हाथ की धीमी गेंदबाजी का सामना जहां गेंद बार–बार रुककर आ रही थी और अगर गेंदबाज सही जगह पर गेंद डालते तो काफी टर्न मिल रहा था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मैदानकर्मियों को हल्का रोलर चलाने के लिए कहा लेकिन मुश्किलें कम नहीं हुई क्योंकि नेट गेंदबाजों की गेंदें लगातार परेशान कर रही थीं। कुछ गेंद अप्रत्याशित रूप से ऊपर उठ रही थीं जबकि कुछ खतरनाक तरीके से नीचे रह रहीं थी। जब भी लेंथ थोड़ी छोटी होती तो अभिषेक को परेशानी होती लेकिन जिस तरह से वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर रहे थे वह देखना बहुत शानदार था। गेंद को खेलने से चूकने और उछलते हुए देखने के बाद वह पिच पर आगे बढ़ते और अपने बल्ले से निशान पर टैप करते और फिर अपनी महारत दिखाते।

छोटी लेंथ की गेंद पर वह पिच पर आगे बढ़कर ऑफ स्पिन और गुगली (जो बाएं हाथ के बल्लेबाज से दूर जाती थी) के खिलाफ एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड–आउट शॉट लगाते थे। कम से कम पांच बार गेंद पास की एक ऊंची रिहायशी इमारत के परिसर में गिरी। इनसाइड–आउट शॉट इतनी बार दोहराया गया कि टीम के मुख्य कोच संदीप शर्मा ने मजाक में कहा, ''तू अपना शतक पूरा करने के लिए सिर्फ एक्स्ट्रा कवर के ऊपर ही छक्के मारना चाहता है।''

सुविचार

अतीत सुखों के लिए सोच क्यों, अनागत भविष्य के लिए भय क्यों, और वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूँगा, फिर चिंता किस बात की?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नए संकल्पों के साथ आगे बढ़े भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 129वीं कड़ी में स्वस्थ, शिक्षित और विकसित भारत बनाने का संदेश दिया है। निस्संदेह देश नए साल में नई उम्मीदों और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। इसके लिए समस्त देशवासियों का सहयोग जरूरी है। प्रधानमंत्री ने नियमित व्यायाम करने के लिए जो आह्वान किया है, युवाओं को उस पर जरूर ध्यान देना चाहिए। आज पढ़ाई और कामकाज संबंधी व्यस्तता के कारण बहुत कम युवा व्यायाम आदि कर पाते हैं। अगर व्यायाम को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लें तो कई बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं। जो लोग नियमित व्यायाम करते हैं, उनके लिए अपने कार्य क्षेत्र में बढ़िया प्रदर्शन करने की संभावनाएं बेहतर होती हैं। प्रधानमंत्री ने 'कन्नड़ा पाठशाले' का उल्लेख कर मातृभाषाओं के सम्मान को विशेष महत्त्व दिया है। दुबई में रहने वाले कन्नड़ा परिवारों की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। उनके बच्चे अंग्रेजी और तकनीक का ज्ञान तो प्राप्त कर ही रहे हैं, अपनी मातृभाषा भी सीख रहे हैं। अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए मातृभाषा का ज्ञान होना चाहिए। आज कई परिवार ऐसे हैं, जिनके बच्चे मातृभाषा में सामान्य बातचीत भी नहीं कर पाते। उनकी यह कहकर बड़ाई की जाती है कि 'इनके सामने बड़े-बड़े अंग्रेज फेल हैं!' अंग्रेजी का अपनी जगह महत्त्व है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता, लेकिन इसे हमारी मातृभाषाओं का स्थान नहीं देना चाहिए। जो जुड़ाव मातृभाषा के जरिए पैदा होता है, वह किसी और भाषा से पैदा नहीं हो सकता। सीखने, समझने, सोचने के लिए मातृभाषा सर्वोत्तम होती है।

प्रधानमंत्री ने मोइरांगथेम सेठ, जो मणिपुर के दूर-दराज के इलाकों में सौर ऊर्जा का प्रचार कर रहे हैं, की कहानी बताकर करोड़ों नागरिकों को प्रेरित किया है। मोइरांगथेम के प्रयासों से उन घरों में रोशनी पहुंच रही है, जहां पहले अंधेरा था। मणिपुर में साल के ज्यादातर दिनों में अच्छी धूप रहती है। प्रकृति इस पर मेहरबान है। भारत के अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास भी यह वरदान है। हमें इसका भरपूर फायदा लेना चाहिए। सौर ऊर्जा उन्नति के नए द्वार खोल रही है। इससे मणिपुर में कई परिवारों की कमाई में बढ़ोतरी हुई है। अब वे अपने काम को ज्यादा समय दे सकते हैं। प्रधानमंत्री ने आईसीएमआर की एक रिपोर्ट के बारे में बताकर महत्त्वपूर्ण मुद्दे की ओर देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया है। कई लोग बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाइयों का सेवन करते हैं, जिससे उन्हें सेहत संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसका नतीजा यह है कि निमोनिया समेत कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाइयां कमजोर पड़ रही हैं। कुछ विकसित देशों में तो एंटीबायोटिक दवाइयां देना बहुत कम हो गया है। भारतीय मूल की एक महिला जो नीदरलैंड में रहती है, की तबीयत खराब हुई तो डॉक्टरों ने जांच रिपोर्ट देखने के बाद बहुत कम दवाइयां दीं। उनमें ज्यादातर विटामिन की गोलियां थीं। महिला को कुछ फलों का रस आदि पीने की सलाह दी गई। 'इतनी कम दवाइयों से सेहत कैसे ठीक होगी?' महिला यह सोचकर चिंतित थी, लेकिन वह एक पखवाड़े में बिल्कुल ठीक हो गई। अपनी मर्जी से दवाइयां लेने की आदत घातक सिद्ध हो सकती है। कुछ महीने पहले एक मामला सोशल मीडिया पर बहुत चर्चा में रहा था। एक व्यक्ति ने डॉक्टर से परामर्श लिए बिना (अपने मित्र की सलाह पर) कोई दवाई ले ली थी। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। दवाई की वजह से लिवर समेत कई अंगों को नुकसान पहुंचा था। उसके शरीर में खून के थक्के बनने लगे थे, जिन्हें हटाने के लिए महंगी दवाइयां लेनी पड़ीं। उसकी हालत देखकर 'मित्र' ने भी अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया था। अगर वह व्यक्ति पहले ही किसी डॉक्टर को दिखाकर दवाई लेता तो ऐसी नौबत नहीं आती।

ट्वीटर टॉक

देश को आजादी दिलाने से लेकर आज के भारत में लोकतंत्र को सशक्त और समावेशी बनाए रखने तक, राष्ट्र निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले संगठन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर समस्त पदाधिकारियों बधाई एवं शुभकामनाएं।

-सचिन पायलट

कुशल संगठनकर्ता, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाभाऊ ठाकरे जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन! संगठन के प्रति उनका समर्पण, कार्यकर्ताओं के लिए उनका स्नेह और सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

-भजनलाल शर्मा

आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के विजय बाड़ी में हरि ओम जन सेवा समिति, जयपुर एवं आयु वेलफेयर एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर में सम्मिलित होने का अवसर मिला।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से सफलता

एक बार मगध के गुरुकुल में आचार्य ज्ञानसागर जी ने अपने शिष्यों के धैर्य की परीक्षा ली। एक सत्र के पूर्ण होने पर आचार्य ने शिष्यों को बांस की टोकरियां देते हुए कहा, 'जाओ और इनमें नदी से जल भर लाओ। गुरुकुल की सफाई करनी है।' शिष्य आचार्य की आज्ञा सुनकर चकित रह गए, क्योंकि बांस की टोकरियों में जल भरकर लाना असंभव-सा था। फिर भी, गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए सभी शिष्य नदी पर गए और प्रयास किया। लेकिन बांस की टोकरियों में जल भरने से वह जल छिद्रों से रिस जाता और कोई भी शिष्य जल भरकर वापस नहीं लौट पाया, सिवाय एक शिष्य के। वह शिष्य आचार्य के प्रति पूर्ण निष्ठा से भरा हुआ था। उसने यह सोचकर बार-बार जल भरने का प्रयास किया कि गुरुदेव ने यह आदेश किसी कारण से दिया है। दिनभर प्रयास करने के बाद, जब बांस की टोकरियां नदी में पानी से भरते-भरते पूरी तरह भीग गईं, तो बांस की तीलियां फूल गईं और सभी छिद्र बंद हो गए। शाम तक वह शिष्य पूरी तरह से जल भरकर आचार्य के पास लौटा। आचार्य ने उसे देखा और अन्य शिष्यों को दिखाकर कहा, 'कार्य तो मैंने तुम्हें कठिन सौंपा था, लेकिन विवेक, धैर्य, लगन और निरंतर प्रयास से यह भी संभव हो गया।

सामयिक

सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों की मुसीबतें

योगेंद्र योगी

इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। मुस्लिम आतंकियों के हमलों और कट्टरपंथ सोच के कारण विश्व के कई देशों में भारी विरोध का सामना कर रहे मुस्लिमों की मुसीबतें आस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए आतंकी हमले के बाद और बढ़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हनुक्का का त्यौहार मना रहे यहूदियों पर चरमपंथी आतंकवाद के नाम पर गोलियां चलाई गईं। ऐसे हमले पूर्व में युरोपीय और दूसरे देशों में हो चुके हैं। न्यू ऑरलियन्स (यूएसए) में जनवरी 1, 2025 को एक व्यक्ति ने ट्रक को पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ा दिया और फिर पुलिस से गोलीबारी की। अमरीकी संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक यह हमला वैश्विक इस्लामिक आतंकी संगठन आईएसआईएस की प्रेरणा से हुआ था। इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। यहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी और सीधा प्रधानमंत्री का नाम लेकर चुनौती दे रहे थे। इस समय यूरोप और पश्चिमी देशों ने निंदा तो की थी लेकिन इस्लामिक आतंकवाद का नाम नहीं लिया था। हालांकि अब यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों लोन वुल्फ हमले बढ़ रहे हैं, तो उन्हें ये दर्द समझ आ रहा है।

यूरोप में (रूस को छोड़कर), 1979 से अब तक 209 हमले हुए हैं और 802 लोगों की मौत हुई है। इसी अवधि में सबसे बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश फ्रांस में 85 इस्लामी आतंकवादी हमले हुए हैं, जिनमें 334 लोगों की मौत हुई है।

फ्रांस के अलावा, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया-हर्जेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम भी प्रभावित हुए हैं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी देशों में घातक हमलों की संख्या 2017 के बाद सबसे अधिक दर्ज की गई। इनमें ज्यादातर लोन वुल्फ (अकेले) हमलावर ही थे। 7 अक्टूबर, 2024 का हमला और बॉन्डी बीच का हमला विशुद्ध तौर पर यहूदियों को निशाना बनाकर किया गया। ऐसे में यूरोप को समझ में आ गया है कि ये किसी एक-दो देश की नहीं बल्कि एक विचारधारा से निपटने की लड़ाई है, जिसके लिए साथ आना ही होगा। फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में इस्लामिक तत्व हर दूसरे दिन किसी ना किसी बात पर प्रतिकार या दंगे करने लगे हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप मोरक्को जीता तो दंगा हुआ पेरिस में, मोरक्को हारा तो पेरिस जला, जब फ्रांस फाइनल में हारा तब भी पेरिस में दंगे हुए। इंग्लैंड में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद प्रवासी भारतीयों पर स्थानीय मुस्लिमों ने हमले किये थे। जांच में यह भी सामने आया था कि अधिकाँश हमलावर और दंगाई इस्लामिक शरणार्थी थे। ऐसे में मेलबर्न से लेकर लंदन और सिडनी से लेकर पेरिस तक में प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण वहां की सरकारों को अब इन पर एक्शन लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इन देशों हाई माइग्रेशन रेट के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लंदन की सड़कों पर लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने एंटी-इमिग्रेशन मार्च निकाला और इस्लाम और ब्रिटेन में बढ़ती प्रवासन समस्या का मुद्दा उठाया। ब्रिटेन में पिछले साल 29 जुलाई को एक्सेल ने साउथपोर्ट में चल रही एक डांस क्लास में घुस कर कई बच्चियों को बेरहमी से चाकू मार दिया था। हमलावर ने तीन बच्चियों की हत्या कर दी थी और 10 अन्य को घायल कर दिया था। इनमें ज्यादातर बच्चे थे। हमलावर मुस्लिम था। आरोपी एक्सेल के मां-बाप रवांडा से आए थे। घटना के बाद ब्रिटेन में बहुत बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

ब्रिटेन में बढ़ती मुस्लिम आबादी भी एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि साल 2035 तक ब्रिटेन की कुल आबादी में 25% मुस्लिम हो सकते हैं। ऐसे आतंकी हमलों और मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के खिलाफ प्रदर्शनकारी ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इनकी मांग है कि अवैध अप्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों से ब्रिटेन पहुंचे हैं। प्रदर्शन में शामिल लोग अवैध अप्रवासियों को शरण दिए जाने के खिलाफ हैं। हाल ही में एक इथियोपियाई अप्रवासी ने 14 साल की लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जिसने लोगों के गुस्से को और बढ़ावा दिया है। सरकार और पुलिस पर आरोप कि वे अवैध आव्रजन पर नकेल कसने में असफल हैं। मुस्लिम शरणार्थी युरोपीय देशों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। गिड़गिड़ाते हुए लाचार हालत में शरण लेने आए शरणार्थी अब इस्लाम और शरिया लागू करने के लिए धरनेप्रदर्शन कर रहे हैं। जर्मनी के हैम्बर्ग में 2000 से अधिक मुसलमानों ने रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने इस्लामवादी खिलाफत और शरिया कानून लागू करने की मांग की। रैली में शामिल भीड़ ने अल्लाहू अकबर का नारा भी लगाया। जर्मनी में बहुसंख्यक आबादी ईसाई है, जबकि मुसलमान अल्पसंख्यक हैं। इन मुसलमानों में सबसे ज्यादा वो थे, जो अफ्रीकी और एशियाई देशों से शरण मांगने के लिए जर्मनी पहुंचे थे। हालांकि, नागरिकता मिलते ही उनके तेवर बदल गए और अब मूल आबादी को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसी इस्लामिक आतंकवाद के दंश से व्यथित हो लगभग 13 लाख लोग यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे, यह दूसरे विश्व युद्ध के पश्चात सबसे बड़ी शरणार्थी समस्या थी। शुरुआत में शरण लेने वाले अधिकाँश सीरियाई थे, लेकिन बाद में बड़ी संख्या में अफगान, नाइजीरियाई, पाकिस्तानी, इराकी और इरिट्रिया, और बाल्कन के आर्थिक प्रवासी भी इस यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे। यूरोप में अब तक 78,000 शरणार्थी और आप्रवासी आए हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार उनमें से आधे से ज्यादा ग्रीस पहुंचे हैं। उनमें 40 प्रतिशत परिवार अफगानिस्तान से हैं जबकि 20 प्रतिशत सीरिया से हैं। यही वजह है कि इन देशों में चरमपंथी मुस्लिमों की हरकतों की वजह से पाबंदी लगाई जा रही हैं। दक्षिण-पूर्वी स्पेन के मर्सिया क्षेत्र के शहर जुमिला में लोकल काउंसिल ने ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा जैसे मुस्लिम त्योहारों को सिविक सेंटर्स और स्पोर्ट्स हॉल जैसी सार्वजनिक जगहों में मनाए जाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया। कट्टर इस्लामिक तत्वों ने बेल्जियम और स्वीडन जैसे शांतिप्रिय देशों में माहौल खराब कर दिया है। मुसलमानों ने इन देशों में अतिरिक्त अधिकारों की मांग की, सड़कें जाम की, सड़कों पर नमाज पढ़ कर शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी और ऐसी घटनाओं से स्थानीय यूरोपीय नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना घर कर गयी। यह निश्चित है कि सिडनी में हुई आतंकी घटना के दूरगामी परिणाम भी बेकसूर मुसलमानों को भुगतने पड़ेंगे। (साभार : प्रभासाक्षी)

ज्ञान विज्ञान

क्या एआई का ज़्यादा इस्तेमाल हमारे दिमाग़ को कमज़ोर कर रहा है?

शायद आपने उससे किसी मुश्किल सवाल के जवाब के लिए निबंध की रूपरेखा बनाने को कहा हो। या फिर किसी बड़े डेटा सेट का गहराई से विश्लेषण करने को कहा हो या यह जांचने को कहा हो कि आपका कवर लेटर नौकरी के ब्योरे से मेल खाता है नहीं। कुछ विशेषज्ञों को चिंता है कि इस तरह के काम एआई को आउटसोर्स कर देने से हमारा दिमाग कम मेहनत करता है।

उनका मानना है कि इससे हमारी आलोचनात्मक सोच और समस्या सुलझाने की क्षमता को नुक़सान भी पहुंच सकता है। इस साल की शुरुआत में, मैसाचुसेटस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने एक स्टडी पब्लिश की। इसमें पाया गया कि जिन लोगों ने निबंध लिखने के लिए चैट जीपीटी का इस्तेमाल किया, उनमें उस दौरान कॉग्निटिव प्रक्रिया से जुड़ी मस्तिष्क की नेटवर्क गतिविधि कम रही। रिसर्चरों ने कहा कि उनकी स्टडी 'सीखने की क्षमताओं में संभावित गिरावट की गंभीर चिंता' को सामने लाती है।'' इस स्टडी में कुल 54 प्रतिभागियों को शामिल किया गया, जिन्हें एमआईटी और आसपास के विश्वविद्यालयों से चुना गया था।

नजरिया

मानक पर खरा नहीं उतरने वाली दवाओं से तबाह होती जिंदगी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही यह दावा किया जाता है कि दवाओं की जांच के लिए जो सैंपल लिए जाते हैं उनमें से केवल 3 प्रतिशत दवाएं निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरती पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दवा के एक भी नमूने में निर्धारित मात्रा व संयोजन में कंपोनेंट नहीं है तो यह स्वीकार नहीं होनी चाहिए। पिछले कुछ माह के समाचारों का ही विश्लेषण किये जाये तो मध्यप्रदेश, राजसथान सहित देश के कई हिस्सों में खांसी की दवा के चलते बच्चों की जान ना केवल सांसत में आई बल्कि कुछ बच्चों को तो जिंदगी से हाथ धोना पड़ा। हालांकि सफाई दी गई कि दवा डाक्टर ने नहीं लिखी थी या चिकित्सालय से दवा नहीं दी गई थी। मानक पर खरा न उतरने वाली दवा तैयार कर जीवन से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं होना उनके हौसले को ही बढ़ाती है। माना जाता है कि नकली पेस्टीसाइड बनाने व बेचने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है तो फिर दवाओं के सैंपल फेल हो जाने पर उन बेची गई दवाओं को बाजार से हटाने की बात तो कर दी जाती है पर किसी दवा निर्माता को दवाओं के सैंपल विफल होने पर सजा मिलने के समाचार दिखाई नहीं देते। गत पांच सालों में 14 हजार से अधिक दवाओं के सैंपल विफल हुए हैं। इनमें से अधिकांश बुखार, खांसी के साथ ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी गंभीर बीमारियों की दवा भी है। अब कल्पना की जा सकती है कि बीपी या शुगर के बीमार पर ऐसी दवाओं का क्या असर होता होगा या हो सकता है।

सामान्य से गंभीर बीमारी की दवाओं के सैंपल विफल होना इस बात का साफ संकेत है कि दवा निर्माताओं में ना तो मरीजों के प्रति

गंभीरता है और ना ही किसी कानूनी कार्रवाई का डर। यह तो वह आंकड़े हैं जो सामने आ जाते हैं नहीं तो बाजार में आने वाली दवाओं के सभी के सभी बैच के सैंपल जांच के लिए लेना या जांच करना संभव भी नहीं तो व्यावहारिक भी नहीं लगता। ऐसे में अमानक पाये जाने पर कठोर कार्रवाई लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों में भय व सबक सिखा सकती है।

दवाओं के निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने के साथ जीवनदायिनी दवाओं के तेजी से बेअसर होना भी एक समस्या होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौर-तरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबूझकर लापरवाही बरतने के साथ ही खानपान से जुड़ी गलतियां भी हैं। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेअसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है।

दरअसल कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को इलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धड़ल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पहुंचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है। दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देश-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेउकिल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इंमरजेंसी के रूप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरियता देने लगे है। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिशत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रैन, हार्ट आदि प्रभावित होने लगे हैं। इन गंभीर बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होने लगा है। इसे सकारात्मक ही माना जाएगा कि आज लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हुए हैं। जरा सा स्वास्थ्य गड़बड़ाने लगते ही लोग दवाओं का सहारा लेना आरंभ कर देते हैं। ऐसे में दवाओं की गुणवत्ता और मानकों पर खरा होना अधिक आवश्यक हो जाता है। दूसरी और अत्यधिक एंटिबायोटिक लिखने और सेवन को भी नियंत्रित किया जाना जरुरी हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकार इन हालातों से अनजान है बल्कि सरकार गंभीर प्रयास करने के साथ ही सख्त कानूनी प्रावधानों की दिशा में बढ़ रही है। दवाओं के पैकिंग पर असली नकली की पहचान के लिए क्यूआर कोड लगाने जैसी कदम उठा रही हैं पर निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने वाले बैच की दवाओं को उपयोग से बाहर करने के सीमित कदम के स्थान पर निर्माता पर सख्त से सख्त कार्रवाई के प्रावधान होने ही चाहिए।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विरोध

नई दिल्ली में रविवार को जंतर-मंतर पर उन्नाव रेप केस की पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए अलग-अलग संगठनों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे लगाए।

सोनिया गांधी से अनुरोध है वह नेहरू के पत्रों को प्रधानमंत्री संग्रहालय को लौटा दें: शेखावत

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पत्रों व दस्तावेजों को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय को लौटाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज देश की संपत्ति हैं, किसी व्यक्ति विशेष की नहीं। शेखावत ने 'पीटीआई-वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि अरावली पहाड़ियों का विवाद कांग्रेस द्वारा एक गैर-जरूरी मुद्दे को मुद्दा बनाने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मंत्री ने नेहरू के पत्रों और दस्तावेजों के बारे में कहा, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय की स्थापना प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद हुई थी, जिसका नाम 2023 में बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय कर दिया गया था। संग्रहालय के प्रबंधन के लिए एक समिति का गठन किया गया था, लेकिन वह ठीक से कार्य नहीं कर पाई।

संस्कृति मंत्री ने कहा कि 1970 से 1990 तक 20 वर्षों की अवधि में नेहरू से संबंधित सभी गैर-सरकारी दस्तावेज़ संग्रहालय में लाए गए, इनमें नेहरू द्वारा लोगों को लिखे गए निजी पत्र, उनके उत्तर और उनकी निजी टिप्पणियां हैं।

शेखावत ने कहा, सभी प्रधानमंत्रियों के ऐसे ही दस्तावेज प्रधानमंत्री संग्रहालय में संरक्षित हैं। ऐसे लगभग 2.5 करोड़ दस्तावेज हैं। इनमें से अकेले पंडित जवाहरलाल नेहरू से संबंधित चार लाख दस्तावेज हैं। उन्होंने कहा कि अन्य प्रधानमंत्रियों के दस्तावेज प्रधानमंत्री संग्रहालय की स्थायी संपत्ति व विरासत हैं जबकि यह लिखा गया है कि नेहरू के दस्तावेज संग्रहालय को ऋण या उपहार के रूप में नहीं दिए गए थे बल्कि सुरक्षित रखने के लिए दिए गए थे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 29 अप्रैल, 2008 को सोनिया गांधी के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि एम.वी. राजन ने एक पत्र लिखकर नेहरू के सभी निजी पारिवारिक पत्रों और नोटस को वापस लेने का अनुरोध किया था।

इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि चूंकि ये पत्र संग्रहालय में सुरक्षित रखे गए थे इसलिए परिवार द्वारा मांगे गए पत्र उन्हें लौटा दिए जाएं।

स्थायी युद्धविराम के लिए थाईलैंड और कंबोडिया के शीर्ष राजनयिकों ने चीन में मुलाकात की

बीजिंग/एपी

थाईलैंड और कंबोडिया के सीमा विवाद को सुलझाने के लिए चीन मध्यस्थता की भूमिका को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है और इसी कड़ी में दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के शीर्ष राजनयिकों ने रविवार को बीजिंग में दो दिवसीय बातचीत शुरू की। थाईलैंड और कंबोडिया के शीर्ष राजनयिको की यह बातचीत नए युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने के एक दिन बाद शुरू हुई है। शनिवार को हस्ताक्षरित युद्धविराम समझौते में दोनों देशों की विवादित सीमा पर हफ्तों से जारी लड़ाई को रोकने का आह्वान किया गया है। इस संघर्ष में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं और दोनों देशों में पांच लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेटकेओ और कंबोडिया के विदेश मंत्री प्राक सोखोन चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत में अपने चीनी समकक्ष वांग यी की मध्यस्थता में बातचीत करने वाले थे। सिहासक के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, वार्ता का उद्देश्य एक स्थायी युद्धविराम सुनिश्चित करना और दोनों देशों के बीच स्थायी शांति को बढ़ावा देना है। वांग सोमवार को दोनों राजनयिकों के साथ द्विपक्षीय बैठकों और एक त्रिपक्षीय वार्ता में शामिल होने वाले थे। चीन ने युद्धविराम की घोषणा का स्वागत किया है। इससे सीमावर्ती इलाके में शांति स्थापित हुई है और विस्थापित नागरिकों को सीमा के पास स्थित अपने घरों में लौटने की अनुमति मिल गई है।

बातचीत

ऋषिकेश में रविवार को सरकारी जंगल की जमीन को लीज पर देने की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सर्वे टीम के आने पर एक पुलिस अधिकारी प्रदर्शनकारियों से बातचीत करते हुए।

कांग्रेस की मदद से भाजपा केरल में मजबूत हो रही : मुख्यमंत्री विजयन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को त्रिशूर जिले की मट्टाथुर पंचायत में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पैर जमाने में कांग्रेस मदद कर रही है।

मट्टाथुर में कांग्रेस के आठ पार्षदों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और पंचायत अध्यक्ष पद के लिए एक निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए भाजपा के साथ हाथ मिला लिया, जिससे सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) स्थानीय निकाय पर अपना नियंत्रण बरकरार रखने में विफल रहा।

पंचायत चुनाव में सत्तारूढ़ एलडीएफ 10 सीट के साथ सबसे बड़े गठबंधन के रूप में उभरा, उसके बाद कांग्रेस आठ सीट हासिल करके और भाजपा चार सीट के साथ क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

कांग्रेस के बागी नेता केआर ओसेफ समेत दो अन्य सदस्य भी पंचायत सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुए। शनिवार को पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान ओसेफ ने एलडीएफ का समर्थन करने का फैसला किया।इसके बाद कांग्रेस के आठ पार्षदों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और पंचायत अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के साथ-साथ निर्दलीय उम्मीदवार टेसी जोस का समर्थन किया, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हुई।

विजयन ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है, जो लगातार भाजपा का साथ देने के लिए अवसर की प्रतीक्षा कर रही है और मट्टाथुर इसका उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत सदस्य के रूप में चुने गए सभी कांग्रेस उम्मीदवार भाजपा में शामिल हो गए, जिससे भाजपा को सत्ता हथियाने में मदद मिली।

'द राजा साब' में मालविका मोहनन की एंट्री, भैरवी बनकर बिखेरी रहस्यमयी शान

मुंबई/एजेन्सी

टीम द राजा साब ने आधिकारिक तौर पर मालविका मोहनन के किरदार भैरवी का खुलासा कर दिया है, और इस अनाउंसमेंट ने फिल्म के प्रमोशन में एक बड़ा ट्विस्ट जोड़ दिया है. भैरवी को एक रहस्यमयी, स्टाइलिश और दमदार शख्सियत के रूप में पेश किया जा रहा है, जिससे फिल्म की कहानी के प्रति जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। इंडिया की सबसे बड़ी आने वाली हॉरर फैंटेसी कही जा रही इस फिल्म के लिए यह अनावरण उत्सुकता को एक नए लेवल पर ले गया है। नए पोस्टर में मालविका मोहनन शीर ब्लैक साड़ी, स्टेटमेंट ब्लाउज, लेयर्ड ब्रेसलेटस, टेक्सचर्ड हैंडबैग और सनग्लासेस को स्टाइल के साथ उठाते हुए नजर आ रही हैं. उनकी शांति भरी नजरें और आत्मविश्वासी अंदाज एक साथ एलीगेंस और खतरनाक आकर्षण दोनों को बखूबी दिखाते हैं. पीछे दिखता सूना सा कॉरिडोर माहौल

को और भूतिया बनाता है और साफ दिखाता है कि भैरवी फिल्म के रहस्य में एक बेहद अहम किरदार है। गानों और ट्रेलर को मिल रही जोरदार दर्शक प्रतिक्रिया के बाद द राजा साब लगातार जबरदस्त गति पकड़ रहा है. दर्शक फिल्म के संगीत, विजुअल भव्यता और नए टोन की खूब तारीफ कर रहे हैं. खास तौर पर लोग प्रभास को एक नए, हल्के लेकिन लेयर्ड अंदाज में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं, जहां उनका चार्म कहानी की रहस्यमय सुपरनैचुरल दुनिया के साथ मिलता है।

मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित द राजा साब, पीपल मीडिया फैक्ट्री और आईवीवाई एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है. फिल्म में प्रभास, संजय दत्त, बोमन ईरानी, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और ऋद्धि कुमार नजर आएंगे. यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 9 जनवरी 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जख्म लगे तो मेडल समझना और मौत दिखे तो सलाम करना, 'बैटल ऑफ गलवान' का टीजर आउट

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का टीजर मेकर्स ने शनिवार को जारी कर दिया। अपने 60वें जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा देते हुए अभिनेता ने 'बैटल ऑफ गलवान' का धमाकेदार टीजर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। टीजर की शुरुआत सलमान खान की दमदार आवाज से होती है, जिसमें वह कहते हैं , जख्म लगे तो मेडल समझना और मौत दिखे तो सलाम करना... और कहना- जय बजरंग बली! बिरसा मुंडा की जय! भारत माता की जय! टीजर में सलमान को आर्मी ऑफिसर के रोल में दिखाया गया है। वह कठिन पहाड़ी इलाकों में लड़ते नजर आते हैं, जहां बर्फीली हवाएं और ऊंचाई पर बहादुरी की मिसाल पेश की जाती है। सीन में एक्शन सीक्वेंस हैं, जहां सलमान का किरदार दुश्मनों से मुकाबला करता है। खून से लथपथ चेहरा, नुकीले हथियार और इंटेंस एक्सप्रेशंस सलमान के नए लुक को हाइलाइट करते हैं, जिसमें वह जोश और देश के लिए जज्बात के साथ मैदान में दुश्मनों के सामने सीना ताने खड़े नजर आते हैं। बैटल ऑफ गलवान' साल 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जहां भारतीय सैनिकों ने चीनी सेना का डटकर मुकाबला किया था। फिल्म में सलमान कर्नल बिकुमल्ला संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जो उस संघर्ष में शहीद हुए थे और उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार इस फिल्म में सलमान के साथ अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में हैं। यह दोनों की पहली ऑन स्क्रीन जोड़ी है। फिल्म में सलमान और चित्रांगदा के साथ हीरा सोहल, अभिलाश चौधरी, अंकुर भाटिया जैसे एक्टर्स भी अहम भूमिकाओं में हैं। लद्दाख में 45 दिनों की शूटिंग पूरी करने के बाद सलमान ने इस रोल के लिए कड़ी मेहनत की है, जो उनकी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से साफ झलकती है। 'बैटल ऑफ गलवान' साल 2026 में रिलीज होगी।

अब फिल्मों को चिल्लाने की जरूरत नहीं, दर्शक बारीकियों को समझने लगे हैं : वामिका गब्बी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं। वामिका ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी। 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर उन्होंने समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता। अभिनेत्री वामिका गब्बी का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है। वह मानती हैं कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा, क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं। सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है।उन्होंने आगे बताया कहा, टेक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है। आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं। वामिका के अनुसार, यह बदलाव सिनेमा को नई दिशा दे रहा है। वामिका गब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म 'जब वी मेट' से की थी। इसके बाद पंजाबी सिनेमा में कई फिल्में कर खुद को लीडिंग अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। वामिका तमिल, मलयालम समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

पाकिस्तान में पहले उर्दू रियलिटी शो लाजवल इश्क पर यूट्यूब ने लगाया बैन

मुंबई/एजेन्सी

आज के डिजिटल युग में मनोरंजन की दुनिया तेजी से बदल रही है। पहले जहां लोग सिर्फ टीवी या सिनेमा हॉल के जरिए ही अपने पसंदीदा शोज और फिल्में देखते थे, अब इंटरनेट और खासकर यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म ने मनोरंजन को घर-घर पहुंचा दिया है। इस दौरान कई बार सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दे भी सामने आते हैं। पाकिस्तान में हाल ही में ऐसी ही एक घटना देखने को मिली है, जहां देश का पहला उर्दू रियलिटी शो लाजवल इश्क विवादों में फंस गया और यूट्यूब ने इसे पाकिस्तान में हटा दिया। लाजवल इश्क एक ऐसा शो था जो ब्रिटेन के प्रसिद्ध रियलिटी शो लव आईलैंड की तरह बनाया गया था। इस शो में कई युवा प्रतिभागी एक घर में रहते थे और अपनी पसंद के साथी का चुनाव करते थे। यह शो कुल 100

एपिसोड का था, जिसमें प्यार और रिश्तों की जटिलताएं दिखाई जाती थीं। इस शो को अभिनेत्री आयशा उमर होस्ट कर रही थीं। यह शो पाकिस्तान में काफी लोकप्रिय हुआ और इसका पहला ट्रेलर ही दो मिलियन से ज्यादा बार देखा गया। युवा दर्शकों में इस शो को लेकर खासा उत्साह था। हालांकि, कुछ दर्शक वर्ग ने शो के फॉर्मेट पर आपत्ति जताई और पाबंदी की मांग की।

शूटिंग और मां बनने के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण है : श्रद्धा आर्या

मुंबई/एजेन्सी

टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए साल के मौके पर खास कार्यक्रम देखने को मिलते हैं। इस बार भी जीटीवी ने दर्शकों के लिए खास कार्यक्रम जी रिश्तों का मेला 2025 आयोजित किया है। इस बार इस खास शो को होस्ट करने की िजम्मेदारी टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्रद्धा आर्या को मिली, जिन्हें दर्शक उनके हिट शो कुंडली भाग्य में प्रीता के किरदार से जानते हैं। उनके साथ अभिनेता जय भानुशाली भी होंगे, जो उनका साथ देंगे। श्रद्धा आर्या ने अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुझे यह अनुभव ऐसा लगा, जैसे एक बड़ा उत्सव हो, जिसमें प्यार और अपनापन भरा हो। शो होस्ट करना मेरे लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक खुशी और उत्साह से भरा अनुभव था। कार्यक्रम के दौरान मैंने न सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि उनके साथ अपने जुड़ाव को भी महसूस किया। वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हुए श्रद्धा ने कहा, मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन

बनाए रखना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। कई बार शूटिंग के दौरान मुझे बच्चों की बहुत याद आती है और कभी-कभी यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी लगता है। काम के दौरान दिल का एक हिस्सा हमेशा बच्चों के साथ रहता है। लेकिन, जब मैं काम खत्म करके घर लौटती हूं और बच्चे मुझे गले लगाते हैं, तो सारी थकान और मुश्किलें तुरंत दूर हो जाती हैं।

श्रद्धा ने बताया कि उनके लिए यह सब थोड़ा आसान रहा, क्योंकि उन्हें घर और सेट दोनों जगह बहुत समर्थन मिला। उनके परिवार ने हमेशा उन्हें समझा और टीम ने भी उनके समय और जिम्मेदारियों का सम्मान किया। इस सहयोग के कारण वह अपने काम में सहज महसूस कर पाई। उन्होंने कहा, जी टीवी की टीम के साथ शूटिंग करना हमेशा आसान और मजेदार रहा है। टीम मेहनत और समय का सम्मान करती है, जिससे मुझे काम में आराम मिलता है और प्रदर्शन भी बेहतर होता है। जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करने के बारे में श्रद्धा ने कहा, नए साल का स्वागत करना और इस खास मौके पर दर्शकों के साथ जुड़ना एक बड़े उत्सव जैसा महसूस हुआ। शो में प्यार, यादें और अपनापन साफ दिखता है। सेट पर काम करते समय लोग मुझे अब भी प्रीता के नाम से बुलाते हैं।

कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे कुंडली भाग्य अभी भी चल रहा है और मैं रोज शूटिंग कर रही हूं। श्रद्धा ने कहा, प्रीता का किरदार मेरे लिए बहुत खास है। इस किरदार ने मुझे सिर्फ लोकप्रियता ही नहीं, बल्कि दर्शकों के साथ जुड़ाव और प्यार भी दिया। चाहे मैं आगे कुछ भी करूं, प्रीता हमेशा मेरे जीवन का हिस्सा बनी रहेगी। यह किरदार मेरे लिए एक प्रेरणा और यादगार अनुभव दोनों है।

भाषा कलाकार को सीमित नहीं कर सकती : रानी चटर्जी

मुंबई/एजेन्सी

कुछ भोजपुरी स्टार्स भोजपुरी सिनेमा के अलावा हिंदी सिनेमा पर भी राज करते हैं। रानी चटर्जी उन्हीं अभिनेत्रियों में से एक हैं, लेकिन अब नीलम वशिष्ठ भी हिंदी सीरियल्स की दुनिया में पहला कदम रखने वाली हैं। अब दोनों अभिनेत्रियों ने भाषा और कला के बारे में खुलकर बात की है। रानी चटर्जी ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह नीलम वशिष्ठ के साथ दिख रही हैं।

वीडियो में रानी कहती हैं, कलाकार, कलाकार होता है, जो भले ही किसी भी भाषा का क्यों न हो। कलाकार को खुद को सीमित न रखकर एक्सप्लोर करना चाहिए। कला की कोई भाषा नहीं होती। जैसे भावनाएं अलग-अलग होती हैं, कभी इंसान हंसता है, कभी रोता है। ऐसा ही कलाकार होता है, जिसमें कई तरह के किरदार बसे होते हैं।

मेरा मानना है कि वे कलाकार सबसे ज्यादा भाग्यशाली होते हैं जिन्हें हर भाषा में काम करने का मौका मिला है क्योंकि हमारे देश में कई भाषाएं हैं और सभी हमारे देश की पहचान भी हैं। वरिष्ठ भोजपुरी अभिनेत्री नीलम वशिष्ठ कहती हैं कि हमारे दर्शक हमारे हर किरदार को बहुत प्यार देते हैं, चाहे वे भोजपुरी में हों या हिंदी में। कलाकार के लिए ये पूरी इंडस्ट्री एक है और सारी भाषाएं उसकी हैं। नीलम वशिष्ठ ने यह भी बताया कि उनकी और रानी चटर्जी की पहली मुलाकात कैसे हुई थी।

उन्होंने बताया कि रानी उस वक्त बहुत छोटी थी और फिल्म की शूटिंग देखने के लिए आई थी। हमने कभी नहीं सोचा था कि रानी हमसे भी बड़ी हो जाएगी। नीलम वशिष्ठ जल्द ही कलर्स टीवी के आगामी शो 'मौनरागम-गुनगुनाती खामोशी' में दिखने वाली है और उनका ये पहला हिंदी सीरियल होने वाला है। ये सीरियल समाज के सबसे गंभीर मुद्दे, भ्रूण हत्या, पर कटाक्ष करता है और लड़कियों पर जन्म से हो रहे अत्याचारों को दिखाता है। सीरियल में 'गुम है किसी के प्यार में' की लीड रोल निभाने वाली कलाकार भाविका शर्मा हैं। 'मौनरागम - गुनगुनाती खामोशी' का अभी तक पहला प्रोमो ही रिलीज किया गया है। सीरियल की टेलीकास्ट डेट आनी बाकी है। वहीं बात अगर रानी चटर्जी की करें तो वे फिलहाल 'मासी' नाम की फिल्म की शूटिंग कर रही हैं और उनकी अपकमिंग फिल्म 'परिणय सूत्र' का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। फिल्म बाल विवाह और दो सच्ची सखियों का प्रेम दिखाती है।

वर्तमान में जीने के लिए सजग और सावधान रहना जरूरी : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन स्थित अरिहंत विला में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि जीवन में शांति पाने के लिए क्रोध पर काबू पाना सीख लो। जिसने जीवन से समझौता करना सीख लिया वह संत हो गया। वर्तमान में जीने के लिए सजग और सावधान रहने की आवश्यकता है। जिस प्रकार पशु को घास तथा मनुष्य को आहार के रूप में अन्न की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार भगवान को भावना की जरूरत होती है। प्रार्थना में उपयोग किए जा रहे शब्द महत्वपूर्ण नहीं बल्कि भक्त के भाव महत्वपूर्ण होते हैं।

साध्वी शीतल गुणा श्री जी ने कहा कि कोई भी सुरक्षा मनुष्य को मौत से नहीं बचा सकती। मौत के आगे सुरक्षा भी फेल हो जाती है। हम अपने जीवन की रक्षा के लिए भले ही कितने सुरक्षा कर्मचारी तैनात कर लें लेकिन वे मौत से नहीं बचा सकते। बाहरी सुरक्षाकर्मी कुछ नहीं कर सकते। अपनी शक्ति को पहचानो,उसकी रक्षा करो। शक्ति का विकास करो और उसका सही उपयोग करो। वह किसी के विनाश का माध्यम ना बने। किसी के विकास का माध्यम ही बनें। यही भाव रखे। वसंतराज भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद की सेवा का विहार लाभ पारस भंसाली,अनिता भंसाली, कनिष्क भंसाली, लक्ष्मीचंद बोहरा,संदीप कुमार डोशी, सज्ञनराज बोहरा ने लिया। पारस भंसाली ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पुरस्कार

कर्नाटक अमेच्योर शूटिंग बॉल एसोसिएशन द्वारा रामसन्द्रा स्थित इनोवेटिव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में 'अस्मित' खेलो इंडिया कर्नाटक वूमेन्स शूटिंग बॉल लीग 2025-26 कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत।

झारखंड मूल की सशक्त राष्ट्रीय स्तर की कवयित्री जसिंता केरकेट्टा को एक लाख रु. राशि का अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि डा. चिरंजीव सिंह एवं अतिथिगण।

शिक्षाविद एवं हिंदीसेवी डा. टीजी प्रभाशंकर प्रेमी को दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि डा. चिरंजीव सिंह एवं पदाधिकारीगण।

कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा और शिक्षाविद प्रभाशंकर प्रेमी 'शब्द' पुरस्कारों से पुरस्कृत

'शब्द' का वार्षिकोत्सव एवं सम्मान-अर्पण समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' ने रविवार को अपने 28वें वार्षिकोत्सव-सह-पुरस्कार अर्पण समारोह में एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मूर्धन्य कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा (झारखंड) को प्रदान किया। साथ ही पच्चीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं बेंगलूरु विश्वविद्यालय, हिन्दी विभाग के अवकाशप्राप्त प्रोफेसर टी जी प्रभाशंकर प्रेमी को अर्पित किया गया। सम्मानित विभूतियों को नकद राशि के अलावा अंगवस्त्रम, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति फलक एवं श्रीफल भी भेंट किए गए।

'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' ग्रहण करते हुए कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा ने कहा कि रचनाकार में और खास तौर पर स्त्री रचनाकार में अपने लोक की समझ और अस्मिता का बोध एवं अभिमान का भाव होना बहुत जरूरी है। 'शब्द' संस्था ने अपना प्रतिष्ठित 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मुझे प्रदान कर आदिवासी अस्मिता और हाशिये की कविता को सम्मानित किया है। शिक्षाविद डॉ टी जी प्रभाशंकर प्रेमी ने 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' ग्रहण करते हुए कहा कि संस्कृतियों के टकराव के आज के दौर में प्रेम और पारस्परिकता का विकास करना नया नागरिक धर्म हो गया है।भाषा में संस्कृति बोलती और अभिरक्षित रहती है। इसलिए हर वक्ता समाज अपनी भाषा के प्रति संवेदनशील होता है किन्तु ध्यान रहे कि भारत की बहुभाषिकता विविधता में एकता को संबल देती है।

समारोह में मुख्य अतिथि प्रख्यात विचारक और यूनेस्को में भारत के पूर्व सांस्कृतिक दूत चिरंजीव सिंह ने कहा कि साहित्य जीवन का प्रकाश है और कविता मानव सभ्यता की उत्कर्ष गाथा। सच्चा साहित्य वही है, जिसमें जीवन स्पंदित होता है। हमारी श्रेष्ठतम अभिव्यक्ति कविता में संचित मिलती है। इसलिए जिंदा कौमें अपने कवि की कायल होती हैं।

आरंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि 'शब्द' के पुरस्कारों का ध्येय साहित्य और साहित्यकार को समाज के विचार-केंद्र में लाना और समादृत करना है। दक्षिण का यह प्रयास उत्तर में नवाचार को सशक्त करने में सफल हुआ तो हम भारत भाव को मजबूत करने का अपना उद्यम सफल मानेंगे। ज्ञातव्य है कि 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' समाजसेवी और अज्ञेय साहित्य के मर्मज्ञ बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से तथा 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' बेंगलूरु एवं चेन्नई से प्रकाशित अखबार समूह 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से प्रदान किए जाते हैं। इस अवसर पर 'शब्द' के सदस्य युवा कवि दीपक सोपोरी के कविता संग्रह 'पीढ़ियों की पीर' का लोकार्पण भी हुआ।कार्यक्रम का कुशल संचालन 'शब्द' की सचिव डॉ उषारानी राव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक श्रीकान्त शर्मा ने। समारोह के दूसरे सत्र में आयोजित कवि सम्मेलन की अध्यक्षता गीतकार आनंदमोहन झा ने की और संचालन किया गजलगो विद्याकृष्णा ने। 'शब्द' के कवियों के काव्यपाठ का भी श्रोताओं ने जमकर आनंद उठाया।

मैं अगर कविता नहीं लिखती तो शायद हथियार उठा लेती : जसिन्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एक लाख रुपये का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' प्राप्त करने वाली कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा बहुत ही संवेदनशील रचनाकार हैं। अपनी साहित्यिक यात्रा की जानकारी देते हुए उनका गला रुंध गया, आँखें नम हो गईं, कुछ पल तक जिह्वा से शब्द नहीं निकले। उन्होंने अपने उद्बोधन के बीच बीच में स्वरचित छोटी छोटी कविताएँ भी सुनाईं जिनमें नारी पीड़ा के साथ साथ आदिवासी समुदाय के साथ हुए अन्याय व दोहन का मार्मिक चित्रण था। उन्होंने अपने माता-पिता के संघर्ष की कहानी सुनाई और स्वयं का किस प्रकार हिंदी भाषा की तरफ झुकाव पैदा हुआ, इसका विवरण दिया।

उन्होंने झारखंड के आदिवासियों की पीड़ा और स्त्रियों का दुख क़रीब से देखा था और उसी पर लिखना शुरू किया। उन्होंने कहा कि वे बिना आँसू के कविता नहीं लिख पाती थीं। उन्होंने कहा कि उनमें दमन के खिलाफ बहुत आक्रोश था। अगर वे कविता नहीं लिखतीं तो शायद हथियार उठा लेतीं। जसिन्ता ने लेखन के संबंध में कहा, कविता अगर बेहतर इंसान नहीं बनाती है तो केवल किताबों का ढेर लगाना व्यर्थ है। लेखन को नदी की तरह बहना चाहिए। उन्होंने स्वयं के बारे में कहा, लेखन के साथ जीवन कैसा जी रही हूँ, इसका अवलोकन करती हूँ। यदि मुझे लगता है कि मैं जो लिखती हूँ, उसे अपने जीवन में नहीं ढाल पा रही हूँ तो मैं लिखना रोक देती हूँ। उन्होंने कहा कि कविता अगर बेहतर इंसान नहीं बनाती है तो किताबों का ढेर लगाना व्यर्थ है।

सम्मान मूर्ति, कवयित्री जसिन्ता केरकेट्टा के साथ 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के संपादक एवं 'शब्द' के सलाहकार श्रीकांत पाराशर

वर्षीतप तपस्वी हस्तिनापुर दर्शन यात्रा पूर्ण कर सकुशल वापस लौटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। भगवान आदिनाथ के अक्षय तृतीया पारणा ग्रहण करने की पुण्यभूमि एवं जैन धर्म के प्रमुख तीर्थों में से एक पावन हस्तिनापुर तीर्थ के दर्शन कर वर्षीतप के तपस्वियों ने हस्तिनापुर तीर्थ यात्रा समिति के सान्निध्य में अपनी तीर्थ यात्रा पूर्ण कर सकुशल हुब्बल्ली पहुंच गए। तीर्थ यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जैन समाज एवं श्रद्धालुओं द्वारा तपस्वियों की साता, बियासना, ठहराव एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं संपन्न की गईं। हस्तिनापुर तीर्थ यात्रा समिति के संयोजक मदन तातेड़ ने बताया कि समिति के सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से योजना बनाकर संपूर्ण यात्रा सम्पन्न की। यात्रा समिति के सह-संयोजक अशोक पालगोता ने बताया कि रेल यात्रा के दौरान तपस्वियों के पारणे एवं बियासना की व्यवस्थाओं हेतु विभिन्न स्थानों पर समाजजनों द्वारा विशेष सेवाएं प्रदान की गईं। समिति के सह-संयोजक प्रकाश चोरड़िया ने जानकारी दी कि यात्रा के प्रथम पड़ाव में सभी तपस्वियों ने हस्तिनापुर स्थित समस्त तीर्थों के दर्शन-वंदन किए। इसके पश्चात दूसरे चरण में आगरा तथा तृतीय चरण में दिल्ली का धार्मिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण भी संपन्न हुआ। समिति के सचिव सुभाष डंक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाज की एकता के लिए खेल प्रतियोगिताएँ अत्यंत जरूरी हैं : दीवान माधवसिंह

पांच दिवसीय पंचम अखिल भारतीय सीरवी महासभा खेल प्रतियोगिता शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। रविवार के दिन सीरवी स्पोटर्स क्लब एवं चेरिटेबल ट्रस्ट, मैसूरु के तत्वावधान में पांच दिवसीय पंचम अखिल भारतीय सीरवी महासभा खेल प्रतियोगिता 2025-26 आयोजन का शुभारंभ जेके मैदान पर हुआ। मैसूरु में विभिन्न खेल मैदानों में प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। शुभारंभ के मौके पर सबसे पहले आईपंथ के धर्म गुरु दीवान माधव सिंहजी को सुसज्जित रथ पर विराजमान कर उनकी शोभायात्रा निकाली गई। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर मंगलगीत गाते हुए उनका स्वागत किया। रथ के आगे गैर मंडल के सदस्यों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा धारण कर गैर नृत्य की प्रस्तुति देते हुए गंतव्य की ओर आगे बढ़ रहे थे। मंच पर दीवान माधव सिंहजी का पारंपरिक तरीके से आयोजकों ने स्वागत कर सम्मान किया।

अथिति के तौर पर विधायक के. हरीश गौड़ा, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, पूर्व विधायक एल.नागेंद्र, चामराजा क्षेत्र के भाजपा अध्यक्ष दिनेश गौड़ा, पूर्व पार्षद स्नेक श्याम, पूर्व भाजपा अध्यक्ष शिव कुमार उपस्थित थे। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सीरवी समाज केआरएस रोड़ के संस्थापक अध्यक्ष सुराराम सोलंकी, राजस्थान विष्णु सेवा ट्रस्ट मैसूरु के अध्यक्ष गणेशमल सुथार, पर्यावरण जागृती वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित सहित मैसूरु के विभिन्न संघ समाज के पदाधिकारियों का सम्मान किया। अतिथियों व वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। दीवान माधव सिंहजी ने अपने सम्बोधन में बताया कि समाज की एकता के लिए खेल प्रतियोगिताएँ अत्यंत ज़रूरी हैं। ऐसी प्रतियोगिताएं शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं, अनुशासन, टीम वर्क और लचीलापन सिखाती हैं । इस मौके पर सीरवी स्पोटर्स क्लब एवं चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाराम राठौड़, सचिव मोहनलाल बर्फ़ा, कोषाध्यक्ष लखाराम चौयल, धर्मीचंद लचेटा, पुखराज परिहार, कर्नाटक सीरवी समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष भंवरलाल चौयल, कोटवाल हेमाराम मुलेवा, कर्नाटक सीरवी समाज के अध्यक्ष ओगड़राम हाम्बड़, नवयुवक मंडल अध्यक्ष जयराम चौयल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। पंचम अखिल भारतीय सीरवी महासभा खेल प्रतियोगिता के खेलमंत्री अगराराम चौयल ने सभी को धन्यवाद दिया। मंच संचालन मोहनलाल सीरवी ने किया।

शक्ति अम्मा के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर में सैकड़ों लोगों ने किया रक्तदान

वेल्लूर/दक्षिण भारत। श्रीपुरम स्थित श्री नारायणी पीठम के संस्थापक एवं आध्यात्मिक गुरु शक्ति अम्मा के 50वें जन्मदिवस के अवसर पर वेल्लूर के श्रीपुरम स्थित अन्नलक्ष्मी महल एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मानव सेवा और समाज कल्याण की भावना को समर्पित रहा, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रक्तदान शिविर का बतौर मुख्य अतिथि विधायक कार्तिकेयन ने दीप प्रज्ज्वलित कर उदघाटन किए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शक्ति अम्मा का जीवन सेवा, करुणा और त्याग का प्रतीक है। उनके जन्म दिवस को सेवा कार्यों के माध्यम से मनाना समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है। शिविर में नारायणी अस्पताल की अनुभवी चिकित्सक टीम द्वारा रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच कर सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से रक्त संग्रह किया गया। रक्तदाताओं को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर नारायणी अस्पताल के निदेशक बालाजी, लक्ष्मी नारायणी स्वर्ण मंदिर निदेशक सुरेश बाबू, प्रबंधक संपत सहित श्री नारायणी पीडम से जुड़े अनेक पदाधिकारी, स्वयंसेवक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बेंगलूरु से सामूहिक सामायिक आराधना हेतु हुब्बल्ली जाएंगे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन श्रमणी सेंटर में संचालित एकांतर वर्षीतप पारणा कार्यक्रम में वार्षिक सहयोगी लीलाबाई धनराज रुणवाल का सम्मान किया गया। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल, सह चेयरमेन मीठालाल लोढ़ा ने रुणवाल परिवार के समाज के प्रति विपुल योगदान की सराहना की। समिति की ओर से महावीरचंद श्रीश्रीमाल, उत्तमचंद कोठारी, महेन्द्रकुमार चोरड़िया, पदमराज रातड़िया, रमेशचंद गुगलिया, कोमलचंद धोका, रोशनलाल नाहर ने रुणवाल परिवार का सम्मान किया। धनराज रुणवाल ने समिति द्वारा तपस्वियों के पारणा की व्यवस्था के लिए समिति की सराहना की। इस अवसर पर एक दिवसीय लाभार्थी हेमराज आकाश भंडारी परिवार का भी सम्मान किया गया। जेके महावीरचंद चोरड़िया ने समिति के सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि हुब्बल्ली में विराजमान आचार्य पार्श्वचंद्रजी एवं स्थानकवासी समणी मार्ग प्रणेता पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में 1 जनवरी को आयोजित सामूहिक सामायिक आराधना कार्यक्रम में पूरे देश से विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालुओं का हुब्बल्ली में आगमन हो रहा है।

बेंगलूरु से भी संघ प्रयोजक किरणचंद नीरजकुमार बोहरा के नेतृत्व में वर्षीतप आराधकों एवं कार्यकर्ताओं सहित 152 श्रद्धालुओं का संघ 31 दिसंबर को बेंगलूरु से हुब्बल्ली प्रस्थान करेगा। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा

बेंगलूरु के जोजावर महिला सेवा मंडल के तत्वावधान में महावीर स्वामी जैन मंदिर चामराजपेट के मुख्य द्वार के पास जरुरतमंद लोगों को 317 जोड़ी नए परिधान वितरण किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा के साथ महिला मंडल की अध्यक्षा भाग्य गिरिया, मंत्री ममता गिरिया, सहमंत्री सरोजा सुराणा, इंद्रा गिरिया, भाविका गिरिया आदि वस्त्रों का वितरण किया। कैलाश संखलेचा ने महिला सेवा मंडल की सेवा की सराहना की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.